

11/23/99
Jc715 U.S. PTO

IN THE UNITED STATES PATENT AND TRADEMARK OFFICE
APPLICATION TRANSMITTAL LETTER FOR
NONPROVISIONAL PATENT APPLICATION
Under 37 C.F.R. 1.53(b)

PATENT
Docket No. PD-980233
CUSTOMER NO.: 020991

Jc530 U.S. PTO
09/447684
11/23/99

Certification under 37 CFR 1.10 (if applicable)

EJ398432275US
EXPRESS MAIL mailing number

November 23, 1999
Date of Deposit

I hereby certify that this application is being deposited with the United States Postal Service "Express Mail Post Office to Addressee" service under 37 CFR 1.10 on the date indicated above and is addressed to the Commissioner of Patents and Trademarks, Washington, D.C. 20231.

Crystal L. Brooks
(Type or printed name of person mailing application)

Crystal L. Brooks
(Signature of person mailing application)

Assistant Commissioner for Patents
Washington, D.C. 20231

Sir:

Transmitted herewith for filing is the patent application including ten (10) sheets of drawings of inventors:

T. G. Vishwanath
Michael Parr
Zhen-Liang Shi
Simha Erlich

For: **ACQUISITION MECHANISM FOR A MOBILE SATELLITE SYSTEM**

The filing fee for this application is calculated below:

	CLAIMS AS FILED			
	NUMBER FILED	NUMBER EXTRA	RATE	
Basic Fee				\$ 760.00
Total Claims	37	-20 = 17	x \$ 18.00	\$ 306.00
Independent Claims	3	- 3 = 0	x \$ 78.00	\$ 0
Multiple Dependent Claims			+ \$260.00	\$ 0
TOTAL FILING FEE :				<u>\$1066.00</u>

Please charge Deposit Account No. 50-0383 of Hughes Electronics Corporation, El Segundo, California, in the amount of **\$1066.00**. The Commissioner is hereby authorized to charge any additional fees which may be required, or credit any overpayment, to that account.

The Commissioner is further hereby authorized to charge to said above Deposit Account No. 50-0383, pursuant to 37 CFR 1.25(b), any fees whatsoever which may properly become due or payable, as set forth in 37 CFR 1.16 to 1.17 inclusive, for the entire pendency of this application without specific additional authorization.

Please associate this application with the Hughes Electronics Corporation Customer Number 020991.

This form is submitted in triplicate.

HUGHES ELECTRONICS CORPORATION



John T. Whelan
Registration No.: 32,448

HUGHES ELECTRONICS CORPORATION
Patent Docket Administration
Bldg. 001, M/S A109
PO Box 956
El Segundo, CA 90245-0956
Telephone: (301) 428-7172
Date: November 23, 1999

HUGHES DOCKET NO. PD-980233

United States Patent Application
of

T.G. Vishwanath
Michael Parr
Zhen-Liang
and
Simha Erlich

ACQUISITION MECHANISM FOR A MOBILE SATELLITE SYSTEM

	1980	1981	1982	1983	1984	1985	1986	1987	1988	1989	1990	1991	1992	1993	1994	1995	1996	1997	1998	1999	2000	2001	2002	2003	2004	2005	2006	2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026	2027	2028	2029	2030	2031	2032	2033	2034	2035	2036	2037	2038	2039	2040	2041	2042	2043	2044	2045	2046	2047	2048	2049	2050	2051	2052	2053	2054	2055	2056	2057	2058	2059	2060	2061	2062	2063	2064	2065	2066	2067	2068	2069	2070	2071	2072	2073	2074	2075	2076	2077	2078	2079	2080	2081	2082	2083	2084	2085	2086	2087	2088	2089	2090	2091	2092	2093	2094	2095	2096	2097	2098	2099	2100	2101	2102	2103	2104	2105	2106	2107	2108	2109	2110	2111	2112	2113	2114	2115	2116	2117	2118	2119	2120	2121	2122	2123	2124	2125	2126	2127	2128	2129	2130	2131	2132	2133	2134	2135	2136	2137	2138	2139	2140	2141	2142	2143	2144	2145	2146	2147	2148	2149	2150	2151	2152	2153	2154	2155	2156	2157	2158	2159	2160	2161	2162	2163	2164	2165	2166	2167	2168	2169	2170	2171	2172	2173	2174	2175	2176	2177	2178	2179	2180	2181	2182	2183	2184	2185	2186	2187	2188	2189	2190	2191	2192	2193	2194	2195	2196	2197	2198	2199	2200	2201	2202	2203	2204	2205	2206	2207	2208	2209	2210	2211	2212	2213	2214	2215	2216	2217	2218	2219	2220	2221	2222	2223	2224	2225	2226	2227	2228	2229	2230	2231	2232	2233	2234	2235	2236	2237	2238	2239	2240	2241	2242	2243	2244	2245	2246	2247	2248	2249	2250	2251	2252	2253	2254	2255	2256	2257	2258	2259	2260	2261	2262	2263	2264	2265	2266	2267	2268	2269	2270	2271	2272	2273	2274	2275	2276	2277	2278	2279	2280	2281	2282	2283	2284	2285	2286	2287	2288	2289	2290	2291	2292	2293	2294	2295	2296	2297	2298	2299	2300	2301	2302	2303	2304	2305	2306	2307	2308	2309	2310	2311	2312	2313	2314	2315	2316	2317	2318	2319	2320	2321	2322	2323	2324	2325	2326	2327	2328	2329	2330	2331	2332	2333	2334	2335	2336	2337	2338	2339	2340	2341	2342	2343	2344	2345	2346	2347	2348	2349	2350	2351	2352	2353	2354	2355	2356	2357	2358	2359	2360	2361	2362	2363	2364	2365	2366	2367	2368	2369	2370	2371	2372	2373	2374	2375	2376	2377	2378	2379	2380	2381	2382	2383	2384	2385	2386	2387	2388	2389	2390	2391	2392	2393	2394	2395	2396	2397	2398	2399	2400	2401	2402	2403	2404	2405	2406	2407	2408	2409	2410	2411	2412	2413	2414	2415	2416	2417	2418	2419	2420	2421	2422	2423	2424	2425	2426	2427	2428	2429	2430	2431	2432	2
--	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	---

ACQUISITION MECHANISM FOR A MOBILE SATELLITE SYSTEM

5 This application claims priority under 35 U.S.C.
§ 119(e) to U.S. Provisional Patent Application Serial
No. 60/109,671, filed November 24, 1998, of Vishwanath et
al., for ACQUISITION MECHANISM FOR A MOBILE SATELLITE
10 SYSTEM, which U.S. Provisional Patent Application is
incorporated herein by reference.

 This application is related to U.S. Patent
Application Serial No. _____, filed concurrently
herewith November ____, 1999, of Vishwanath et al., for
15 WAVEFORM SUPPORTING SYNCHRONIZATION IN MOBILE SATELLITE
SYSTEMS; now U.S. Patent No. _____, which is
incorporated herein by reference.

BACKGROUND OF THE INVENTION

20 The present invention relates to signal
synchronization, and more particularly to signal
synchronization in a communications system. Even more
particularly, the present invention relates to
synchronization of wireless transceivers by transmitting
25 a composite waveform having a known frequency variation
to an unsynchronized wireless transceiver of a mobile
satellite communications system for signal
synchronization and a corresponding method of acquiring
the composite waveform at the unsynchronized transceiver.

30 In mobile communications systems, such as a
mobile satellite communications system, mobile
communications terminals (i.e. mobile terminals or
transceivers) are frequently placed in positions in which
they cannot maintain synchronization with a satellite.
35 For example, the mobile terminal might be turned off and
stored, may be carried into a building with significant
signal attenuation, or may be newly purchased. In any
case, the mobile terminal must be able to find the
signals sent from a satellite for synchronization prior
40 to being able to begin communication. As is typically
the case, a terrestrial gateway station or base station
is constantly transmitting bursts containing waveforms

used for synchronization over a specified channel, such as a frequency control channel (hereinafter referred to as FCCH). The mobile terminal must find the signal waveform that is transmitted from the gateway station via the satellite in order to be able to begin communication with the gateway station via the satellite. This process is commonly referred to as acquisition.

The gateway station will transmit a synchronization waveform (also referred to as a waveform or signal waveform) as a limited duration burst, e.g. 5 msec, periodically, e.g. once every 320 msec. In acquiring the synchronization signal, a mobile terminal will typically have to search within about one thousand communications channels (i.e. channels) of a communications link to find the waveform over the period of 320 msec for the 5 msec waveform. Often, to save processing during acquisition at the mobile terminal, the mobile terminal will look at approximately ten preassigned channels of the one thousand channels for the transmitted waveform. The mobile terminal must search in different channels because the burst containing the waveform does not usually arrive at the same frequency that the waveform is transmitted at due to frequency shifts/offsets from the gateway station to the satellite and from the satellite to the mobile terminal. Furthermore, the mobile terminal does not know at what time within any given 320 msec window the 5 msec waveform will arrive.

In the prior art, such waveforms are detectable at the mobile terminals. A requirement of such waveforms is that a signal frequency (or carrier frequency) of the waveform be known. However, because of signal degradation and distortions due to all forms of time delays, propagation delays, doppler shifting, and noise, it is necessary to compensate for the frequency and/or time shifting of the waveform.

By way of background, time delays result from several factors. Time delays may be caused by obstructions in a dominant signal path that generate "multi-paths" to occur from scattered paths resulting from reflections off the obstructions. The differences in distance between the multi-paths result in timing offsets as well as fading of the signal, depending upon the type of channel (e.g. Rician or Rayleigh fading). Also, in mobile satellite communications systems, in particular, relative motion between the satellite and the mobile terminal due to a velocity of the satellite as it orbits the Earth and another velocity of the terminal as it is operated from a moving vehicle, for example, results in varying time delay by the signals traveling between the satellite and the mobile terminal. Even a stationary mobile terminal may experience relative motion between itself and the satellite due to motion of the satellite in orbit. For example, in a geostationary satellite system, the satellite follows an approximately sinusoidal pattern of north-south movement in orbit. As such, if the satellite and the mobile terminal are moving towards each other, a transmitted signal from the satellite will arrive earlier and earlier as the relative movement continues.

Doppler shifting is also the result of such relative movement of the satellite and the mobile terminal. As the mobile terminal and the satellite move toward one another, frequencies appear to get higher, but as the mobile terminal and the satellite move away from one another, frequencies appear to get lower.

This gives rise to a need for a new type of signal waveform used for synchronization that can easily be detected and be resolved for doppler shifting (i.e. frequency offsets) and time delays.

Furthermore, in the prior art, different types of signal waveforms are transmitted from the gateway

station to a mobile terminals via satellites for
synchronization. This is because in satellite
communications systems, many different services are
provided that operate at disparate bandwidths and
5 tolerate disparate levels of signal attenuation and
minimum signal-to-noise ratios (SNRs). Consequently,
current mobile satellite systems require more than one
type of waveform to be used for the many different
services.

10 As an example, one key service provided by the
mobile satellite systems is voice or data communication.
Effective voice communication requires that channel
attenuations be less than an order of 10 dB whereas other
services, such as alerting, may only require that channel
15 attenuations be less than an order of 30 dB. By way of
example, if a tree were blocking the line-of-sight path
of a voice signal between a satellite and the terminal,
and attenuated a voice signal from the satellite by less
than 10 dB, the voice signal could still be received by
20 the mobile terminal. However, if a building were
blocking the line-of-sight path of the voice signal and
attenuated the voice signal by 20 dB, then the mobile
terminal could not receive the voice signal but could
still track and receive an alerting signal from the
25 satellite.

In contrast, in "alerting", the mobile
satellite system typically tolerates very low signal
conditions as compared with conditions that can be
tolerated by a typical voice signal. Specifically, there
30 is typically a 20 dB difference in channel attenuation
levels between conditions in which an alert signal can be
successfully received and conditions in which a voice
signal can be successfully received. Thus, conditions
supporting alert signals will not necessarily support
35 voice signals in the same mobile satellite system.

Thus, in order to accommodate the use of such varying signal level tolerances (e.g. voice services and alerting services) the prior art utilizes distinct waveforms for each distinct service, e.g., one waveform
5 for tracking alerting, and another waveform for synchronizing voice communications.

Thus, there is a need in the wireless communication industry to provide a waveform that supports a variety of services under different signal
10 conditions to conserve power and resources in the mobile satellite system.

One example of a prior art waveform which is easily detectable and resolvable for frequency shifting, but not timing offsets, and which has been used in prior
15 art communications systems is a sinusoidal waveform, or a "tone", which has a constant frequency over time. An example of such a tone is a sine wave or cosine wave with any random phase ϕ .

Although sinusoidal waveforms or tones are
20 easily detectable by mobile terminals, they present a problem of "spurs" in the received frequency when the tone travels in mobile terminal's hardware. The receiver hardware of the mobile terminal typically sees a received waveform (i.e. tone) as a very low level signal.
25 Furthermore, a receiver typically includes a variety of frequency sources that tend to induce sinusoids to the received signal (i.e. tone), making distinctions between the received signal and the induced sinusoids difficult to discern.

30 These induced sinusoids are called "spurs" which are essentially frequency-domain spikes. When spurs occur in the receiver, there can be a loss of synchronization because the waveform of interest (i.e. the tone) may be lost. One way to avoid these spurs is
35 to change RF hardware so that they are eliminated by the

hardware, however this is costly and takes space and power within the hardware itself.

Thus, another desirable design constraint of the waveform (which may be referred to as a
5 synchronization signal) is that it not require a complex receiver or complicated changes to standard receiver hardware and that the waveform not induce hardware related degradation thereof. In particular, the waveform must be robust against induced spurs.

10 Other prior art methods have eliminated the problem of "spurs" by implicitly spreading the spurs by using a signal waveform such as a Quadrature Phase Shift Keyed (QPSK) signal. Such a QPSK signal is modulated according to phase and therefore is not correlated to the
15 spurs. Although the QPSK modulated signal solves the problem of spurs, it does not solve the detectability of varying signal levels used in multiple levels of services, such as voice and alerting services.

Other prior art methods have used, as the
20 waveform used for synchronization, a tone followed by a modulated waveform, wherein the tone is used to compute frequency and the modulated waveform is used to compute timing. Although the use of the tone followed by the modulated waveform solves the problem caused by induced
25 spurs, it exhausts system resources such as power, bandwidth and time, and is not well-suited to two or more levels of service, such as alerting and voice communication.

With regard to the acquisition of the waveform
30 at a mobile terminal, and considering several of the above stated concerns it is desirable to transmit a waveform that is easily detectable, can resolve both frequency and timing offsets, avoids the problem of "spurs" in the receiver, and can support different types
35 of services, e.g. acquisition of voice services and tracking of alerting. Thus, such a waveform should be

practical to implement on a digital signal processor, for example, using a Fast Fourier Transform (FFT), should not resemble a tone, and should not require hardware modifications in the receiver.

5 The present invention advantageously addresses the above and other needs.

SUMMARY OF THE INVENTION

10 The present invention advantageously addresses the needs above as well as other needs by providing a method and apparatus for the acquisition of received waveforms that are used for the synchronization of wireless communications terminals, and the estimation of the frequency offset and timing offset of the received
15 waveforms.

 In one embodiment, the present invention can be characterized as a method for enabling synchronization of a communications terminal in a wireless communication system comprising the step of receiving a burst at a
20 receiver of the communications terminal, the burst containing a composite waveform including two or more component waveforms, wherein each of the two or more waveforms has a known frequency variation throughout the burst. The composite waveform has a composite bandwidth
25 on an order of an available channel bandwidth, and wherein each of said two or more component waveforms has a component bandwidth on the order of the available channel bandwidth. Additionally, a range of values for the differences between the instantaneous frequencies of
30 two of said two or more component waveforms is on an order of twice of said available channel bandwidth.

 In another embodiment, the present invention may be characterized as an acquisition system of a wireless communications terminal for acquiring a received
35 composite waveform including two or more component waveforms and estimating a frequency offset and a timing

offset of the received composite waveform. The acquisition system includes a first phase shifter for desweeping a first component waveform of the received composite waveform and a first processor coupled to the
5 first phase shifter for transforming the first component waveform having been deswept into a first frequency domain representation. Furthermore, the acquisition system includes a second phase shifter for desweeping a second component waveform of said received composite
10 waveform and a second processor coupled to the second phase shifter for transforming the second component waveform, having been deswept, into a second frequency domain representation. Furthermore, a detection processor is coupled to said first processor for
15 detecting a peak of said first frequency domain representation, thus, detecting the presence of said first component waveform. The detection processor includes a parameter estimator for computing said frequency offset and said timing offset of said received
20 composite waveform, having been detected.

In a further embodiment, the present invention may be characterized as a method for enabling synchronization of a communications terminal in a wireless communication system comprising the steps of:
25 receiving a burst at a receiver of the communications terminal, the burst containing a composite waveform including two or more component waveforms, wherein each of the two or more waveforms has a known frequency variation throughout the burst; detecting the presence of
30 the composite waveform; and estimating a frequency offset and a timing offset of the composite waveform as received into said receiver, whereby synchronization is achieved.

In a preferred embodiment, the composite waveform may be a dual-chirp waveform including an up-
35 chirp component waveform and a down-chirp component waveform.

BRIEF DESCRIPTION OF THE DRAWINGS

The above and other aspects, features and advantages of the present invention will be more apparent from the following more particular description thereof, presented in conjunction with the following drawings wherein:

FIG. 1 is a block diagram of a satellite communications system in which the present invention may be employed in accordance herewith;

FIG. 2 is a block diagram illustrating contributions to a waveform as the waveform is transmitted from a source transmitter, e.g. a gateway station, during propagation along a line-of-sight path to a receiver, e.g. via a satellite;

FIG. 3 is a plot of amplitude versus time for the composite waveform (also referred to as a composite signal waveform) in accordance with one embodiment of the present invention, shown as a dual-chirp waveform that includes an up-chirp waveform and a down-chirp waveform, which may be transmitted by the gateway station 24 to the mobile terminal 12 of the satellite communication system of FIG. 1 prior to experiencing frequency and timing offsets during transmission through the communications links;

FIG. 4 illustrates a plot of frequency versus time for the transmitted composite waveform, shown as the dual-chirp waveform including the up-chirp waveform and down-chirp waveform of the embodiment shown in FIG. 3, as would be transmitted in the satellite communication system of FIG. 1;

FIG. 4A illustrates a plot of frequency versus time for a transmitted composite waveform not in accordance with the present invention, which is shown as a comparison to the composite waveform of FIG. 4 and to distinguish the composite waveform of the present invention with other types of composite waveforms;

FIG. 5A illustrates a frequency versus time plot of the composite waveform of FIGS. 3 and 4, shown as the dual-chirp waveform including the up-chirp waveform and the down-chirp waveform, that is transmitted from the gateway station 24 of the satellite communications system of FIG. 1;

FIG. 5B illustrates a frequency versus time plot of the composite waveform of FIG. 5A and the corresponding received composite waveform (dashed line) that is received at the mobile terminal 12 of FIG. 1, wherein a frequency offset has been introduced into the composite waveform received;

FIG. 5C illustrates a frequency versus time plot of the composite waveform of FIG. 5A and the corresponding received composite waveform (dashed line) that is received at the mobile terminal 12 of FIG. 1, wherein a timing offset has been introduced into the composite waveform;

FIG. 5D illustrates a frequency versus time plot of the composite waveform of FIG. 5A and the corresponding received composite waveform (dashed line) that is received at the mobile terminal 12 of FIG. 1, wherein both a frequency offset and a timing offset have been introduced into the composite waveform;

FIG. 6A illustrates a frequency versus time plot of the composite waveform of FIG. 4A, shown as two down-chirp waveforms, that would not provide accurate frequency and timing offset estimations at the mobile terminal, in contrast to the composite signal waveform as shown and described in FIGS. 3 through 4 and 5A through 5D, wherein the average of the difference between the instantaneous frequencies of the two component waveforms of the composite waveform over the duration of the composite waveform is not large;

FIG. 6B illustrates a frequency versus time plot of the composite waveform of FIG. 6A and the

corresponding received composite waveform (dashed line) that would be received at a mobile terminal, wherein a frequency offset has been introduced into the received composite waveform;

5 FIG. 6C illustrates a frequency versus time plot of the composite waveform of FIG. 6A and the corresponding received composite waveform (dashed line) that would be received at a mobile terminal, wherein a timing offset has been introduced into the received
10 composite waveform;

 FIG. 6D illustrates a frequency versus time plot of the composite waveform of FIG. 6A and the corresponding received composite waveform (dashed line) that would be received at a mobile terminal, wherein both
15 a frequency offset and a timing offset have been introduced into the composite waveform;

 FIG. 7 is a block diagram of an Acquisition System found in the mobile terminal 12 of FIG. 1 that illustrates acquisition of the composite waveform, which
20 is shown as a dual-chirp waveform, such that a desweeping search algorithm is used for detection of the composite waveform, which then enables synchronization of the mobile terminal to the satellite communication system of FIG. 1;

25 FIG. 8 is an illustration of a sliding window process used by the acquisition system of FIG. 7 to scan for the composite signal waveform;

 FIG. 9 is a flow chart of the steps performed for acquisition of the composite waveform, which is
30 illustrated as the dual-chirp waveform of FIGS. 3 and 4, which may be implemented by the acquisition system 100 of FIG. 7 of the mobile terminal 12 of the satellite communications system of FIG. 1;

 FIG. 10 illustrates a plot of the amplitude of
35 the Fourier Transform Peak over the course of the

duration of the composite signal waveform, which is illustrated as the dual-chirp waveform.

Corresponding reference characters indicate corresponding components throughout the several views of the drawings.

DETAILED DESCRIPTION OF THE PREFERRED EMBODIMENTS

The following description of the presently contemplated best mode of practicing the invention is not to be taken in a limiting sense, but is made merely for the purpose of describing the general principles of the invention. The scope of the invention should be determined with reference to the claims.

Referring first to FIG. 1, a block diagram of a typical satellite communications system is shown. The satellite communications system 10 includes a first communications terminal or a gateway station 24 (also referred to as a base station), second communications terminal or mobile terminal 12 (also referred to as a wireless terminal or wireless transceiver), a public switched telephone network (PSTN) 22, a satellite 26, and communications links 28 and 30. The satellite communications system 10 is one embodiment in which the present invention may be practiced. It is noted that the terms communications terminal, terminal, and transceiver are used synonymously.

The public switched telephone network (PSTN) 22 is coupled to the gateway station 24 in a conventional manner, using, for example conventional wire-based, land-based or land-line connections. The gateway station 24 is coupled to the satellite 26 through a first communications link 28, and the satellite 26 is coupled to the mobile terminals through communications link 30.

In practice, voice communications take place between the mobile terminal 12 and the PSTN 22 via the gateway station 24 and the satellite 26. As such, the

PSTN 22 switches the voice communications to the gateway station 24 to be transmitted to the mobile terminal 12 via the satellite 26, as is conventionally done. As earlier described, the mobile terminal 12 is frequently placed in positions in which it cannot maintain synchronization with a satellite 26. For example, the mobile terminal 12 might be turned off and stored, may be carried into a building with significant signal attenuation, or may be newly purchased. In any case, the mobile terminal 12 must be able to find the waveform (also referred to as a synchronization signal) sent from the gateway station 24 via the satellite 26 to synchronize with the timing and frequency of the communications link 30 prior to being able to begin communication. Thus, as is known in the art and shown in FIG. 1, the gateway station 24 transmits the waveforms to all mobile terminals 12 within coverage of the satellite 26. The waveforms in a conventional satellite communications system 10 are transmitted in short duration continuous wave bursts ("bursts") between the gateway station 24 and the satellite 26, and in burst between the satellite 26 and the mobile terminal 12 in a variety of conventional schemes. The satellite 26 relays the burst to mobile terminal 12 for synchronization by an acquisition system in the mobile terminal 12.

As the bursts 16 and 20 propagate through air and other intercepting media along a direct line-of-sight or other multi-paths resulting from scattering due to reflection and diffraction of signals contained within the bursts 16 and 20 the signals become distorted and attenuated due to many different factors as described further with reference to FIG. 2.

In accordance with one embodiment of the present invention, a waveform that addresses the concerns of the prior art, known as the composite waveform (also referred to as the composite signal waveform), is

transmitted from the gateway station 24 to mobile terminals 12. One example of a composite signal waveform is a dual-chirp waveform described below. The composite waveform, e.g. the dual-chirp waveform is discussed in detail with reference to FIGS. 3 through 6D. Furthermore, in accordance with another embodiment of the present invention, a novel acquisition section is present in the mobile terminal 12 that is used to acquire the composite waveform and extract both timing and frequency offsets of the received composite waveform. The acquisition section is discussed in more detail with reference to FIGS. 7 through 10.

Referring next to FIG. 2, a functional block diagram is shown of how contributions to a signal waveform (or waveform) are added as an initial signal $s(t)$ (or "source signal" or "transmitted signal") is propagated from a source transmitter 32 (e.g. the transmitter of the gateway station 24 of FIG. 1) to a receiver 44 (e.g. the receiver of the mobile terminal 12 of FIG. 1). The initial signal, or source signal, $s(t)$ is sent by the source transmitter 32 and incurs time delay 34 due to a time delay " t_0 " during propagation of the signal from the source transmitter 32 to the receiver 44.

As previously described in the background herein, time delays result from several factors. Time delays may be caused by obstructions in the signal path that generate "multi-paths" from scattering due to reflections and diffractions of the signal from the obstructions. The differences in distance between the multi-paths result in time delay offsets as well as fading of the signal, depending upon the channel (e.g. Rician or Rayleigh fading).

Also, in a satellite communications system, such as shown in FIG. 1, relative motion may exist between the satellite (i.e. source transmitter 32) and

the mobile terminal 12 (i.e. receiver 44) due to the relative velocity of the satellite as it orbits the Earth and another velocity of the mobile terminal as it operates from a moving vehicle, for example, results in varying time delays by the signals traveling there between. These timing delays all contribute to the time delay of t_0 as represented by time delay 34.

An additional source of signal attenuation is a frequency offset as represented as frequency offset 36. Frequency offsets of the carrier frequency of the source signal $s(t)$ in satellite communications systems are primarily due to Doppler occurring from relative motion of the source transmitter 32 and the receiver 44. As the source transmitter 32 and the receiver 44 move toward one another, the received carrier frequency appears to shift higher; as they move away from one another, the received carrier frequencies appear to shift lower. Thus, a frequency offset 36 is introduced into the source signal $s(t)$. The frequency offset 36 is represented mathematically by multiplying, at multiplier 38, the source signal $s(t)$ with a complex waveform such as represented by $\exp(j2\pi f_d t)$, wherein f_d is the doppler frequency offset in Hertz and t is time in seconds.

Thus, as is known in the art, these contributions of time delay 34 and frequency offset to the source signal $s(t)$ require that an acquisition system of a mobile terminal 12 resolve these contributions before being able to properly acquire the source signal and thus, synchronize with a transmitter 32.

Additionally, noise contributions $n(t)$ 40, such as Additive White Guassian Noise (AWGN), are represented in hardware terms by mathematically adding a low-level waveform $n(t)$ exhibiting Guassian characteristics, by the adder 42. The source signal $s(t)$ shown, therefore, represents a signal which is a true signal (i.e. undistorted by the channel through which the signal is

transmitted) transmitted by the source transmitter 32, represented in continuous time t wherein $t=0$ at a start of the burst. Thus, as can be seen in FIG. 2, at the receiver 44, a received signal $r(t)$ may be represented as
5 $r(t)=s(t-t_0)e^{j(2\pi f_d t+\phi)}+n(t)$, wherein t_0 is the time delay in seconds, f_d is the Doppler frequency offset in Hertz and ϕ is a random phase offset. Thus, $r(t)$ equates to a phase shifted version of $s(t)$, including random phase.

In accordance with the invention herewith, a
10 waveform used for synchronization must be transmitted from the gateway station 24 (source transmitter 32) to the mobile terminal 12 (receiver 44), wherein the mobile terminal can easily detect the waveform and resolve the frequency offset and timing offset in the presence of
15 noise.

The Composite Waveform

Referring next to FIG. 3, a plot of amplitude versus time for a composite waveform is shown in
20 accordance with one embodiment of the present invention, which is shown as a dual-chirp waveform that includes a combined up-chirp waveform and a down-chirp waveform, which may be transmitted by the gateway station 24 to the mobile terminal 12 via the satellite 26 of the satellite
25 communication system 10 of FIG. 1. The composite waveform (also referred to as a composite signal waveform) is shown at transmission and thus, prior to experiencing frequency offsets, timing offsets, and noise during transmission through the communications link. The
30 dual chirp waveform 50, which is one example of a composite waveform consistent with this embodiment of the present invention, provides a waveform for synchronization, that addresses the needs of the prior art as described above.

35 This example of a composite waveform is referred to as a dual-chirp waveform 50 because it is a

composite waveform consisting of two component waveforms:
an up-chirp waveform and a down-chirp waveform. A chirp
waveform, as known in the art, is a signal in which the
frequency changes linearly over the duration of the
5 waveform. In other words, the frequency is "swept" (i.e.
the frequency varies with time) across the duration of
the chirp waveform. This is in contrast to a sinusoidal
or "tone" waveform in which the frequency remains
constant throughout the duration of the waveform making
10 it susceptible to "spurs" in the receiver of the mobile
terminal as described above.

The dual-chirp waveform 50 is a composite of an
up-chirp waveform and a down-chirp waveform. In
operation, the up-chirp waveform has a frequency that
15 increases linearly with time, while the down-chirp
waveform has a frequency that decreases linearly with
time (see FIG. 4 which illustrates a frequency versus
time plot for the dual-chirp waveform 50).
Advantageously, the frequency of the up-chirp waveform
20 and the down-chirp waveform vary oppositely with respect
to time.

The up-chirp waveform begins with an initial
frequency (e.g. having a frequency offset relative to a
carrier frequency) of a first predetermined frequency
25 offset (e.g. $f_c - 7500$ Hz). During each burst, the
initial frequency of the up-chirp waveform increases
linearly to reach an ending frequency offset value of the
initial frequency (e.g. $f_c + 7500$ Hz) by an end of the
burst. Similarly, the down-chirp waveform begins at an
30 initial frequency that is the ending frequency of the up-
chirp waveform (e.g. $f_c + 7500$ Hz) which decreases
linearly until it reaches it's ending frequency (e.g. $f_c -$
 7500 Hz), which is the initial frequency of the up-chirp
waveform. This frequency relationship is more easily
35 seen in the frequency versus time plot shown in FIG. 4.

Separately, both the up-chirp waveform and the down-chirp waveform are represented mathematically on a complex plane, and may be referred to as "complex waveforms". Thus, both the up-chirp waveform and the down-chirp waveform may be represented mathematically as having a real component and an imaginary component. Advantageously, the upchirp waveform and the downchirp waveform are transmitted simultaneously and are "in sync" with each other, i.e. the down-chirp waveform starts at a frequency at which the up-chirp waveform ends, that is, e.g. +7500 Hz, and ends at e.g. -7500 Hz. Thus, the down-chirp waveform is the complex conjugate of the up-chirp waveform. As such, in the dual-chirp waveform, the imaginary components of the up-chirp waveform and the down-chirp waveform cancel out, the dual chirp waveform is represented completely by a real component. Therefore, the dual-chirp waveform 50, is represented mathematically on a real plane, and may thus be referred to as a "real waveform", as shown in FIG. 3 as a composite of an up-chirp waveform and a down-chirp waveform.

For various reasons, which will be discussed more with reference to FIG. 4 and throughout the specification, the dual-chirp waveform is one example of a composite waveform of two simultaneously transmitted waveforms having a known frequency variation, i.e. the frequency varies linearly with time. The dual-chirp waveform 50 has preferred properties, making it a preferred choice as a waveform for synchronization for several reasons. Since both frequency variations of the up-chirp waveform and the down-chirp waveform are known and are opposite of each other, both a frequency offset f_d and a time delay t_0 of the received signal $r(t)$ can be estimated by solving for two (2) equations with two unknowns in an acquisition section of a mobile terminal as is described in more detail with reference to FIG. 7.

Referring next to FIG. 4, a frequency versus time plot is shown of the dual-chirp waveform 50 of FIG. 3, which illustrates the two component waveforms, i.e. the up-chirp waveform 60, wherein frequency increases linearly with time, and a simultaneously transmitted down-chirp waveform 62, wherein frequency decreases linearly with time. FIG. 4 illustrates the linearly increasing or decreasing frequency with time of each respective waveform.

The up-chirp waveform 60 and the down-chirp waveform 62 of the composite dual-chirp waveform 50 can be expressed mathematically. In terms of the signals shown in FIG. 2, the source signal $s(t)$ that is transmitted, as a burst containing the dual-chirp waveform of FIG. 3, from the gateway station 24 to the mobile terminal 12, with respect to continuous time t , wherein t is defined with respect to a start of a burst of duration T , (i.e. $t=0$ at the start of the burst), then the transmitted signal $s(t)$ is defined by equation (1):

$$s(t) = s_1(t) + s_2(t) \quad (1)$$

$$= p(t) \left[e^{j\pi K(t-T/2)^2} + e^{-j\pi K(t-T/2)^2} \right] \quad (2)$$

wherein $s_1(t)$ represents an up-chirp waveform of frequency $f_1(t)$ and $s_2(t)$ represents a down-chirp waveform of frequency $f_2(t)$, T is the duration of the dual-chirp waveform in seconds, $p(t)$ is a window defining an envelope of the signal in time (also referred to as a ramping function such that within the window of time $p(t)=1$ and at times outside of the window of time $p(t)=0$), and wherein

$$f_1(t) = K(t-T/2), \text{ and} \quad (3)$$

$$f_2(t) = -K(t-T/2) \quad (4)$$

where K is sweeping rate parameter (i.e. the rate at which the frequency is "swept" across the duration of the burst or the "slope" of the lines presenting the up-chirp waveform and the down-chirp waveform) or frequency rate-of-change of $f_1(t)$ and $f_2(t)$ respectively. As shown in FIG. 4, K is the slope of the up-chirp waveform 60 and -K is the slope of the down-chirp waveform 62. In alternative composite waveforms, K does not have to be the same for each component waveform.

There are several reasons why a composite waveform, such as the dual-chirp waveform 50 as shown in FIGS. 3 and 4 overcomes the concerns of prior art waveforms used for synchronization. First, advantageously, the transmitted dual-chirp waveform easily lends itself to detection at a mobile terminal, for example, using a Fast Fourier Transform (FFT). This process is further described with reference to FIGS. 7-10. In practice, an FFT enables acquisition to be performed in real-time with firmware/hardware, as is done in some types of prior art waveforms, such as a waveform that consists of a tone followed by a modulated waveform as described above. Thus, the ability to detect the dual-chirp waveform 50 using an FFT is a desirable feature and one driver for the present invention.

Furthermore, by looking at a received dual-chirp waveform 50 contained in the received signal $r(t)$ of FIG. 2, acquisition systems at the receiver 44 of FIG. 2 (e.g. mobile terminal 12) employing an FFT can identify the dominant frequency components of both the deswept up-chirp waveform 60 and down-chirp waveform 62, which is then used to estimate the frequency offset f_d (i.e. the Doppler frequency offset) and the time offset t_0 (i.e. timing delay), in the received dual-chirp waveform. This is enabled since the up-chirp waveform 60 and the down-

chirp waveform 62 each will be received with an unknown frequency offset f_d and an unknown timing offset t_0 .

Furthermore, each component waveform can be expressed mathematically as a relationship including the frequency offset, timing offset, and the frequency estimated by the FFT. Thus, the two component waveforms of the dual-chirp waveform will provide two equations and two unknowns (f_d , t_0) if the peak frequency estimates (obtained with an FFT) of both the up-chirp waveform 60 and the down-chirp waveform 62 are determined by a search algorithm. Thus, f_d and t_0 can be solved. This method enables a reduction in the amount of synchronization information needed as compared with the use of pure sinusoids or tones in the FCCH. The FFT and the frequency offset and timing offset estimations are further described below with reference to FIGS. 7-10.

Additionally, the dual-chirp waveform 50 does not resemble a "tone" or a sinusoid having a constant frequency; thus, the problem of "spurs" introduced into the signal waveform at the receiver (e.g. mobile terminal 12) are overcome.

Also, the dual-chirp waveform illustrated in FIGS. 3 and 4 can support an "alerting" operation when a satellite communications system such as shown in FIG. 1 needs a robust mechanism to provide synchronization with acceptable degradation. The sweep parameter or slope K of the up-chirp waveform 60 and down-chirp waveforms 62 controls a trade-off between timing accuracy and signal bandwidth. Higher values of K increase the accuracy of the timing estimate; however, the value of K is limited by the available bandwidth of the channel. However, in reality there is a frequency uncertainty involved, due to the local oscillator in the mobile terminal 12, so realistically the value of K is even further limited to less than the available bandwidth of the channel.

Additionally, the dual-chirp waveform 50 of FIGS. 3 and 4 also supports signal-to-noise (SNR) estimation and provides significantly better SNR results than estimates using data modulated waveforms at low SNR's. This advantage results from the receiver's knowledge of the expected waveform, unlike unknown data modulated waveforms, since the mobile terminal is configured to know what the composite waveform. e.g. dual-chirp waveform 50, should look like.

This better SNR estimation provides more accurate channel state determination, in turn. Assuming dual-chirp waveforms of duration equal to 112 data bearing symbols, the dual-chirp waveform 50 can support normal data and control traffic operating at typical values of +6 dB E_s/N_0 (i.e. SNR), alerting operations at -8 dB E_s/N_0 , tracking at around -15 dB E_s/N_0 , and E_s/N_0 estimation at around -20 dB E_s/N_0 . This is a significant improvement in versatility since the dual-chirp waveform advantageously supports both voice and data communications and supports other services, such as alerting, by using the same signal waveform. As earlier stated, prior art systems must send separate waveforms to support voice/data communications and alerting.

It is important to note that the dual-chirp waveform 50 shown specifically in FIGS. 3 and 4 is only one example of a composite waveform that can be used as a synchronization signal sent from the gateway station to a mobile terminal of a satellite communications system, for example. Other types of composite waveforms could also be used. There are three main design parameters, which will be described, that would define such composite waveforms, such as the dual-chirp waveform, for example.

The first design characteristic for the composite waveform is that the composite waveform should be a composite of two or more component waveforms that each have frequency that varies with time (i.e. $f_1(t)$,

And the third design characteristic for the composite waveform is that the range of values for the differences between the instantaneous frequencies of the component waveforms should be as great as possible. This concept relates to FIG. 4 in that the slope of up-chirp waveform 60 (i.e. K_1 in Eq. (3)) and the slope of the down-chirp waveform 62 (i.e. K_2 in Eq. (4)) should be as different as possible. As an example, as shown in FIG. 4, at point "A", the difference between $f_1(t)$ and $f_2(t)$ is about -15 kHz. At point "B", the difference between $f_1(t)$ and $f_2(t)$ is about -12 kHz. At point "C", the difference between $f_1(t)$ and $f_2(t)$ is about -8 kHz. And at point "D", the difference between $f_1(t)$ and $f_2(t)$ is about -4 kHz. At point "E", the difference between $f_1(t)$ and $f_2(t)$ is about 0 kHz. At point "F", the difference between $f_1(t)$ and $f_2(t)$ is about +4 kHz. At point "G", the difference between $f_1(t)$ and $f_2(t)$ is about +8 kHz. At point "H", the difference between $f_1(t)$ and $f_2(t)$ is about +12 kHz. And at point "C", the difference between $f_1(t)$ and $f_2(t)$ is about +15 kHz. Thus, the range of values for the difference between the instantaneous frequencies of the up-chirp waveform 60 and the down-chirp waveform 62 varies between -15 and +15 kHz, for a total range of 30 kHz. Note that even though the magnitude of the slope of the two component waveforms is the same, they are opposite in direction.

In contrast, a composite waveform that would violate the third design characteristic would be the composite waveform shown in FIG. 4A that includes two down-chirp waveforms, first down-chirp waveform 70 and second down-chirp waveform 72 (referring briefly to FIG. 4A). Note that at points "A", "B", "C", and "D", the difference between the instantaneous frequencies of the first down-chirp waveform 70 and the second down-chirp waveform 72 is about 10 kHz at each point. Thus, the range of values for the differences is essentially zero

(i.e. the differences vary between -10 kHz and +10 kHz). This type of composite waveform would be easily detectable with an FFT in an acquisition, but would not yield accurate estimates of the frequency offset and timing offset that are needed for accurate synchronization of the mobile terminal to the gateway station. Each waveform would yield a mathematical expression having two unknowns, and thus, there would be two equations and two unknowns. However, the information would be of little use in synchronization because the two waveforms would give approximately the same two equations having the same two unknowns. Ideally, the two equations are very different from each other.

It has been found that the range of the values of the differences of the instantaneous frequencies of the two component waveforms should ideally be a range of values equal to or greater than at least 10%, preferably at least 50%, and ideally at least 80%, of twice the available frequency bandwidth of the channel. For example, the range of values for the differences of the instantaneous frequencies of the up-chirp waveform 60 and the down-chirp 62 of the dual-chirp waveform 50 as shown in FIG. 4 a range between -15 kHz and +15 kHz, or a total range of 30 kHz, which is much greater than 10% (e.g. 3.6 kHz), 50% (e.g. 18 kHz), or even ideally 80% (e.g. 28.8 kHz) of twice the available bandwidth of the channel (e.g. 36 kHz, which is 2×18 kHz).

It is also noted that the component waveforms of such a composite waveform used for synchronization do not have to vary linearly with time, or even intersect on a frequency versus time plot as does the dual-chirp waveform 50 of FIG. 4. Thus, the composite waveform be any composite waveform that meets the above stated three design parameters. These three design parameters will be discussed further throughout the specification. Furthermore, as described later in the specification, it

will become apparent that the dual-chirp waveform 50 is a preferred embodiment. The distinct advantages of the dual-chirp waveform 50 over other composite waveforms that fit within the three design parameters will be explored also below.

Referring next to FIGS. 5A through 5D, shown are illustrations of a frequency versus time plot of the transmitted dual-chirp waveform (of the embodiment shown in FIGS 3 and 4) including the combined up-chirp waveform and down-chirp waveform that is transmitted from the gateway station 24 to the mobile terminal 12 of the satellite communications system of FIG. 1, and how the received dual-chirp waveform is effected by frequency and timing offsets.

First referring to FIG. 5A, a frequency versus time plot is shown of the transmitted dual-chirp waveform 80 of the embodiment shown in FIGS. 3 and 4, including the combined up-chirp waveform and down-chirp waveform as earlier described above. Additionally, in FIG. 5A, the dual-chirp waveform 80 represents the received dual-chirp waveform in ideal conditions with no frequency or timing offsets. Thus, the transmitted source signal (i.e. transmitted dual-chirp waveform 80) equals the received signal (i.e. the received dual-chirp waveform 80); therefore, $s(t)=r(t)$ from FIG. 2. Note that for illustration purposes, the effects of noise are neglected.

Next referring to FIG. 5B, an illustration is shown of a frequency versus time plot of the transmitted dual-chirp waveform 80 of FIG. 5A and the corresponding received dual-chirp waveform 82 (dashed line) that is received at the mobile terminal 12 of FIG. 1, wherein a frequency offset f_d only (no timing offset) has been introduced into the received dual-chirp waveform 82. Note that in reality the received dual-chirp waveform 82 will be effected by noise (i.e. noise 40 of FIG. 2) and

will appear distorted instead of as the straight and undistorted dashed lines of FIG. 5B. For illustration purposes, straight and undistorted dashed lines are used for the received dual-chirp waveform 82.

5 Next referring to FIG. 5C, an illustration is shown of a frequency versus time plot of the transmitted dual-chirp waveform 80 of FIG. 5A and the corresponding received dual-chirp waveform 82 (dashed line), wherein a timing offset t_0 only (no frequency offset) has been
10 introduced into the received dual-chirp waveform 82.

 Next referring to FIG. 5D, an illustration is shown of a frequency versus time plot is shown of the transmitted dual-chirp waveform 80 of FIG. 5A and the corresponding received dual-chirp waveform 82 (dashed
15 line), wherein both a frequency offset f_d and a timing offset t_0 have been introduced into the received dual-chirp waveform 82. This illustration is the most common result in that both a frequency and timing offset have been introduced into the received dual-chirp waveform 82.
20 However, the receiver of the mobile terminal does not know either offset. Thus, the use of two component waveforms, the up-chirp waveform and the down-chirp waveform provide a means for accurate estimation of both timing and frequency offset. For example, the received
25 up-chirp waveform mathematically yields, through the use of a FFT, a single equation having two unknowns, e.g. f_d and t_0 and the frequency of the peak of the received up-chirp waveform (obtained in an FFT described in FIG. 7). Similarly, the received down-chirp signal mathematically
30 yields, through the use of a FFT, a different single equation having two unknowns, e.g. f_d and t_0 and an estimate of the peak frequency of the down-chirp waveform (from the FFT, as described in FIG. 7). Therefore, both the frequency offset and the timing offset can be
35 accurately estimated as will be described in more detail with reference to FIGS. 7 through 10.

In contrast to frequency versus time plots of FIGS. 5A through 5D, the frequency versus time plots of FIGS. 6A through 6D show a composite waveform that does not meet the third design parameter as described above, and thus, will not be able to distinguish between the frequency and timing offsets.

Referring next to FIG. 6A, an illustration is shown of a frequency versus time plot of a transmitted composite waveform 90 that would not provide accurate frequency and timing offset estimations at the mobile terminal, in contrast to the composite waveforms meeting the three design parameters, e.g. the dual-chirp waveform 50 as shown in FIGS. 3 through 5D. The transmitted composite waveform 90 includes two down-chirp waveforms wherein the range of differences between the instantaneous frequencies of the two individual down-chirp waveforms of the composite signal waveform 92 over the duration of the composite signal waveform 92 is not large. As shown and further described with reference to FIG. 4A, this range of values is actually zero.

Referring next to FIG. 6B, a frequency versus time plot is shown of the transmitted composite signal waveform 90 of FIG. 6A and the corresponding received composite signal waveform 92 (dashed line) that would be received at the mobile terminal, wherein a frequency offset f_d has been introduced into the received composite signal waveform 92.

Referring next to FIG. 6C, a frequency versus time plot is shown of the transmitted composite signal waveform 90 of FIG. 6A and the corresponding received composite signal waveform 92 (dashed line), wherein a timing offset t_0 has been introduced into the received composite signal waveform 92.

Referring next to FIG. 6D, a frequency versus time plot is shown of the transmitted composite signal waveform 90 of FIG. 6A and the corresponding received

composite signal waveform 92 (dashed line), wherein both a frequency offset f_d and a timing offset t_0 have been introduced into the received composite signal waveform 92. In operation, the receiver of the mobile terminal 5 will be able to detect the received composite signal waveform and estimate a peak frequency of the two down-chirp waveforms using an FFT; however, the receiver will be unable to accurately estimate f_d and t_0 . This is because each individual down-chirp waveforms will 10 mathematically yield, through the use of a FFT, a single equation having two unknowns, e.g. f_d and t_0 and the known (estimated) peak frequency of both down-chirps. However, each equation essentially provides the same information and thus, is not effectively solvable for the two 15 unknowns, f_d and t_0 .

Acquisition of the Composite Signal Waveform

This section deals with the acquisition of the composite waveform, specifically the dual-chirp waveform 20 described above, that sent from the gateway station to the mobile terminal via the satellite in the satellite communications systems of FIG. 1 and used for synchronization purposes. Thus, the acquisition process involves searching for the composite waveform at the 25 mobile terminal in an acquisition system of the mobile terminal.

Referring next to FIG. 7, a block diagram is shown of an acquisition system as may be employed e.g. in a mobile terminal 12 of FIG. 1 for acquiring composite 30 waveforms sent as bursts and received having the distortions described by FIG. 2, including frequency and timing offsets (see FIG. 5D) and also including the effects of noise. The acquisition system 100 comprises an antenna 102 coupled at an output to an input of an RF 35 interface electronics 104, which is coupled at an output to an input of a matched filter 106, e.g. a Square Root

composite waveform comprises a dual-chirp waveform as described above with reference to FIGS. 3-4 and 5A-5D. Also, in this embodiment, the dual-chirp waveform is a burst having a length of 5 msec that is transmitted every
5 320 msec by the gateway station.

During acquisition at the mobile terminal, the acquisition system 100 searches a defined set of carriers (e.g. searches 10 channels of approximately 1000 available channels) for the burst containing the dual-
10 chirp waveform. As earlier described, once found, the dual-chirp waveform is used to determine the frequency offset and timing offset of the received dual-chirp waveform, which is used to compute the carrier frequency and frame timing information for communications back to
15 the gateway station from the mobile terminal via the satellite. Thus, the mobile terminal has completed acquisition and the mobile terminal is now synchronized with the gateway station. As earlier explained, the dual-chirp waveform happens to be "real" in that a
20 baseband equivalent waveform is represented mathematically in one single dimension, in contrast to how Quadrature Phase Shift Keying (QPSK) baseband waveforms are represented.

In one preferred embodiment, an initial burst
25 is received in analog form by the antenna 102, is transformed into digital format by the RF interface electronics 104, which may employ any type of standard A/D conversion methods or means known in the art.

Then, the matched filter 106, such as an SRRC
30 matched filter 106, filters the output of the RF interface electronics 104 and the buffer 120 samples the digital time-domain samples, i.e. complex in-phase (I) and quadrature (Q) digital samples, from the received burst containing the dual-chirp waveform and stores them.
35 The buffer 120 samples the digital time-domain samples at the output of the matched filter 106 at a sample

frequency f_s , e.g. 46.8 kHz. This equates to 234 digital time-domain samples taken at 46.8 kHz during the 5 msec duration of the dual-chirp waveform.

The digital time-domain samples, complex I and Q samples, sampled by the buffer 120 are split into two paths, shown as the first path 107 and the second path 109. First, the digital time-domain samples, represented as $r(t)$ in FIG. 7, are sent along the first path 107 to the first phase shifter 108 in order to isolate the up-chirp waveform. At this point, the samples are not yet sent along the second path 109. This is done only after the up-chirp waveform is detected in the first path 107.

A frequency vs. time plot 122 of $r(t)$, the digital samples output from the buffer 120, is shown. Advantageously, this plot 122 is shown as actually containing the received dual-chirp waveform including the effects of noise (indicated as uneven, distorted lines instead of straight lines shown earlier in FIGS. 4 through 5A) and including an unknown frequency and timing offset. The frequency vs. time plot 122 illustrates both the up-chirp waveform 124 and the down-chirp waveform 126. The unknown frequency and timing offsets are represented in FIG. 5D.

Note that for illustration purposes to show how the dual-chirp waveform is detected in the acquisition system 100, it is presumed that the burst (a set of time domain digital samples) that has been sampled at the buffer 120 of the mobile terminal is the full dual-chirp waveform. However, the mobile terminal must "search" for the 5 msec dual-chirp waveform that occurs every 320 msec over a variety of frequencies using the sliding search window as described below. Thus, most of the time, the burst sampled at the buffer 120 is just random noise or a portion of the dual-chirp waveform, not the full dual-chirp waveform shown in frequency vs. time plot 122 at the output of the buffer 120 in the first path 107. As

such, each set of digital time-domain samples sampled at the input buffer 120 is called a hypothesized waveform, since the acquisition system 100 is hypothesizing that the composite waveform is contained within the set of
5 samples at the buffer 120.

It is important to note that first path 107 is used to detect one of the two component waveforms of the composite waveform. In the case of the dual-chirp waveform, the acquisition section is looking for the up-
10 chirp in the first path 107, but could be configured to look for the down-chirp waveform if desired. Thus, the acquisition system 100 is hypothesizing that the signal within the buffer 120 is the dual-chirp waveform. Next, the signal output from the matched filter 106 is
15 "deswept" at the first phase shifter 108, which is typically a multiplier, by multiplying the signal $r(t)$ by a first desweeping waveform. The first desweeping waveform is the complex conjugate of the component waveform that the acquisition system is attempting to
20 find in the first path 107 (i.e. the up-chirp waveform). Thus, in this case, the first desweeping waveform 130 is the complex conjugate of the up-chirp waveform, which advantageously happens to be the down-chirp waveform of the dual-chirp waveform 130, shown as $\exp(-jk(t-T/2)^2)$. A
25 frequency vs. time plot 128 is shown that represents the first desweeping waveform 130. The first desweeping waveform 130 may also be referred to as a first hypothesizing waveform since it is being used to "hypothesize" an up-chirp waveform in the received
30 waveform.

Since multiplication in the time-domain is addition in the frequency domain, the result of such desweeping at the first phase shifter 108 is shown as the frequency vs. time plot 132 in which the frequency of the
35 received up-chirp waveform 134 is now simply leveled out or "deswept" into a "tone" that includes noise (also

referred to as a narrow band waveform), and the phase shifted down-chirp waveform 136 has undergone a doubling of its slope, thus, the signal has been phase shifted.

Note that any spurs present in the RF interface

5 electronics 104 will no longer be tonal in nature due to the desweeping process.

The term "deswept" is used because the first desweeping waveform 130 is designed to desweep or flatten out the frequency vs. time plot of one of the component
10 waveforms of the composite waveform (turn it into a narrowband waveform); in this case, the up-chirp waveform (i.e. frequency is swept over time) so that the frequency of the up-chirp waveform does not change linearly with time and results in a deswept up-chirp waveform that has
15 approximately a constant frequency, like a "tone". The other component waveform of the composite signal waveform, for example, the down-chirp waveform component of the dual-chirp waveform, is amplified (in frequency) and isolated from the deswept up-chirp waveform 134 (now
20 a tone waveform including noise), so that the detection and estimation processor 112 can be used to detect the "tone" of the deswept up-chirp waveform.

Furthermore, the desweeping at the first phase shifter 108 can be implemented by a computer program in a
25 software implementation, or in firmware or hardware in alternate embodiments. For example, using software or firmware, if the buffer 120 output (complex I and Q outputs) are initially $B_I(n)$ and $B_Q(n)$, n being a sample number, then for $n=0$ to 233, the filtered and
30 buffered output is represented by: $B_I(n)+jB_Q(n)$. Furthermore, if the up-chirp conjugate is represented using table coefficients α and β , then the conjugate is $[\alpha(n)+j\beta(n)]$.

Next, the deswept component waveform (shown as
35 the deswept up-chirp waveform 134 in frequency vs. time plot 132) is sent to the first FFT Processor 112 to be

Fast Fourier transformed into an initial frequency-domain signal. In the embodiment shown, wherein the dual-chirp waveform is 5 msec in length and the buffer 120 samples 234 digital samples, a "256 point FFT" is used in the
5 first FFT processor 112. Thus, as is known in the art, a zero padder (not shown) within the first FFT processor 112 is used to zero pad the last 22 samples for the 256 point FFT, i.e. set the last 22 samples equal to zero. Thus, the first 234 samples ($n=0$ to $n=233$) of phase
10 shifted digital time domain samples are sent to the 256 point FFT, and the last 22 samples ($n=234$ to $n=255$) are set to zero and sent to the 256 point FFT of the up-chirp FFT processor 112. In different embodiments, a zero
15 padder may be unnecessary or a different size FFT may be used depending on the size of the dual-chirp waveform and the number of samples taken at the buffer 120.

The first FFT processor 112 transforms the phase-shifted, zero-padded I and Q samples or output from the first phase shifter 108, which are in time-domain,
20 into frequency domain I and Q samples, as is known in the art. A frequency vs. magnitude plot 138 is shown of the output of the first FFT processor 112 which extracts and isolates the deswept up-chirp waveform 134 or tone indicated by the peak 140 of the plot 138. This peak 140
25 of the plot 138 may be referred to as frequency representation of the deswept up-chirp waveform 134.

The resulting signal is sent from the first FFT processor 112 to the detection and estimation processor 116 which is used to detect the presence of a peak 140,
30 or frequency representation of the deswept up-chirp waveform 134, which indicates the presence of the up-chirp waveform 124 of the dual-chirp waveform as described above.

In order to detect an actual up-chirp waveform
35 (represented at this point as the frequency representation of the deswept up-chirp waveform 140 or

peak 140) in the received digital samples, the detection and estimation processor 116 searches the output of the first FFT processor 112 by comparing a signal-to-noise ratio (i.e. SNR) of the output of the first FFT processor
5 to an SNR Threshold. A signal-to-noise ratio (SNR) is next computed from a ratio of signal-power/noise-power. A SNR is calculated by determining a maximum power among all frequency bins containing output from the first FFT Processor 112, as detailed in the following description.

10 In calculating the SNR, first, a Bin Power is calculated for all of the frequency bins by adding the squares of the frequency domain I samples to the squares of the frequency domain Q samples for each sample n.

A Maximum Power Bin of location m is determined
15 from amongst all the bin powers. The SNR is next computed by adding energies (Bin Powers) of bins (m-1) through bins (m+1). A Noise Power is computed as a sum of remaining power from remaining bins, i.e. all bins except for the remaining bins wherein $n=\{(m-1), m, (m+1)\}$. Also, there are unlimited other methods of
20 computing an SNR known in the art, any of which may be employed herewith in accordance with the principles of this invention.

Next, the computed SNR is compared against a
25 computed SNR Threshold resulting in one of two scenarios. In the first scenario, if the signal-to-noise ratio (SNR) computed exceeds the SNR threshold, then the detection and estimation processor 116 knows that it has received the composite signal waveform, e.g. the dual-chirp
30 waveform, since the frequency representation of the deswept up-chirp waveform will cause the SNR threshold to be exceeded. Once exceeded, the detection and estimation processor has found the up-chirp component waveform of the dual-chirp waveform. Alternatively, in the second
35 scenario, if the computed SNR does not exceed the SNR threshold, i.e. there is no peak 140, then the detection

and estimation processor knows that it has not received the composite signal waveform, e.g. the dual-chirp waveform.

More specifically, in the second scenario, if
5 an up-chirp waveform, i.e. the frequency representation of the deswept up-chirp waveform or tone, is not detected (i.e. the SNR threshold has not been exceeded), the buffer 120 is instructed, through control signal 118 to sample more digital time-domain samples from the receiver
10 at a time offset, e.g. half of a timeslot or 833 μ sec of a three timeslot, 5 msec burst. These additional digital time-domain samples are sampled according to a sliding search window as described further with reference to FIG. 8. As before, the digital time-domain samples now in the
15 buffer 120 are sent along first path 107 again, repeating the process of looking for one of the two component waveforms of the composite signal waveform, in this case, looking for the up-chirp waveform of the dual-chirp waveform. Further time-domain samples are processed in
20 a like manner until the up-chirp signal is detected by the burst detection processor 116, i.e the signal threshold has been exceeded, as described above.

In the first scenario, where the SNR threshold has been exceeded, it must also be determined whether the
25 "peak" of the up-chirp waveform, or the input buffer containing the "largest portion" of the up-chirp waveform, has been found. It is important to note that so far, the discussion has assumed (for illustration purposes) that the peak of the dual-chirp waveform, i.e.
30 the entire dual-chirp waveform, has been sampled at the buffer 120; however, in reality, the SNR threshold will exceeded in cases where less than the entire dual-chirp waveform has been sampled at the buffer 120. For example, the 234 samples (equating to 5 msec, which is
35 the length of the dual-chirp waveform, of samples taken at 46.8 kHz) from may only contain 180 samples of the

dual-chirp waveform and 54 samples of noise, which may cause the SNR threshold to be exceeded depending on the configuration. Thus, once the SNR threshold has been exceeded by the computed SNR of the current digital
5 samples at the buffer 120, the detection and estimation processor 116 instructs the buffer 120 (through control signal 118) to sample more digital time domain samples from the matched filter 106.

This creates a sliding search process for the
10 composite signal waveform, e.g. the dual-chirp waveform, on the FCCH. As such, a second input buffer containing samples with 1/2 slot delay, for example, from a first input buffer (which caused the SNR threshold to be exceeded) is received at the sample buffer 120 and
15 processed as above in the first path 107 to detect one of the component waveforms, again, the up-chirp waveform and compute a second SNR of the frequency representation of the deswept up-chirp waveform in the second input buffer. The second SNR is compared with the first SNR, as
20 computed above. If the second SNR is greater than the first SNR, then a further iteration of processing (involving a third input buffer offset from the second input buffer by one half of a slot) is performed and current samples are maintained for future processing, as
25 detection is yet to occur. However, if the second SNR is not greater than the first SNR, then the first input buffer (that caused the SNR threshold to be exceeded) contains the "peak" of the up-chirp waveform, or the portion of the up-chirp waveform having the highest SNR,
30 i.e. a "peak SNR". Each iteration process is performed in less than 1/2 slot, or 833 μ sec if the 5 msec burst occupies three timeslots. When the new input buffer is received, a sliding window counter is incremented to change the choice of slots to be received by a next
35 buffer. The sliding search window is further described with reference to FIG. 8.

Next, following the first scenario, once the set of digital time-domain samples containing the "peak" of the up-chirp waveform 124 from peak 140 (the frequency representation of the deswept up-chirp waveform) is
 5 detected (from the SNR that exceeds the SNR threshold the most), then this indicates that the largest portion of the dual-chirp waveform has been received at the antenna 102 and the set of digital time-domain samples now stored in buffer 120 are then sent along second path 109, which
 10 is analogous to the first path 107 except that the second path 109 is looking for the other of the two component waveforms. In this case, the digital time-domain samples (which have previously been determined to contain the "peak of the up-chirp waveform, and thus, the "peak of
 15 the down-chirp waveform) are sent in the path 109 so that the down-chirp waveform can be deswept and isolated into a corresponding tone to be detected also at the detection and estimation processor 116.

Thus, the detection and estimation processor
 20 sends control signal 118 to the buffer 120 in order to begin sending the digital time-domain samples stored in the buffer 120 along the second path 109. Again, the second path 109 is only taken when the peak of the up-chirp waveform has been detected at by the burst
 25 detection processor 116 in the first path 107; thus, the peak of the down-chirp waveform will be detected now in the second path 109.

Following the second path 109, the time-domain digital samples at the buffer 120 are sent to the second
 30 phase shifter 110. A frequency vs. time plot 142 is shown of the received dual-chirp waveform, showing both the down-chirp waveform 144 and the up-chirp waveform 146. The second phase shifter 110 desweeps the signal time-domain digital samples, i.e. $r(t)$, with a second
 35 desweeping waveform 150, which is the complex conjugate of the component waveform that is to be detected in the

second path 109, e.g. the down-chirp waveform of the dual-chirp waveform, but it could be the second of two component waveforms of a composite signal waveform. In this case, the complex conjugate of the down-chirp waveform is advantageously the up-chirp waveform, which is shown as the second desweeping waveform 150 of the frequency vs. time plot 148 and also represented mathematically as $\exp(+jk(t-T/2)^2)$.

The resulting signal from the desweeping at the second phase shifter 110 is shown as frequency vs. time plot 152. The deswept down-chirp waveform 154, now a tone including noise (i.e. a narrow band waveform), and the phase shifted up-chirp waveform 156 are shown. Note that the frequency of the up-chirp waveform has been shifted, i.e. doubled, which is shown as the phase shifted up-chirp waveform 156. The output of the second phase shifter 110 is then sent to the second FFT processor 114, which is similar to the first FFT processor 112, which translates the time-domain signal into a frequency-domain signal including a frequency representation of the deswept down-chirp waveform 160 (or the peak 160) of frequency vs. magnitude plot 158, similar to the process performed in the first path 107. The peak 160 is the frequency representation of the deswept down-chirp waveform which indicates the presence of the actual down-chirp waveform. Additionally, zero padding may be done at the second FFT processor 114 as needed.

Next, the output of the second FFT processor 114 is sent to the detection and estimation processor 116; however, since the set of buffer samples containing the largest portion of the down-chirp waveform has already been found (since the first path has confirmed that set of buffer samples already contains the largest portion of the up-chirp waveform has been found), the detection and estimation processor 116 does not try to

detect the down-chirp waveform and perform the SNR computation or the sliding search window.

Next, since both component waveforms of the composite waveform, i.e. the up-chirp and down-chirp waveforms of the dual-chirp waveform, the detection and estimation processor 116 estimates the frequency of the of the frequency representation of the deswept up-chirp waveform, which is the frequency at the peak 140 of the tone and is referred to as f_{up} . This process is common in prior art acquisition systems that process tone waveforms only, and is well known in the art. One important distinction between such a prior art system and this embodiment of the present invention, however, is that the waveform sent in this embodiment is not a tone, but a composite waveform, e.g. a dual-chirp waveform, wherein the component waveforms are deswept into tones after the possibility of incurring "spurs" into the waveform has passed. However, once deswept into tones, the detection and estimation processor 116 estimates the frequency of the tone at the peak 140.

Similarly, the frequency of the frequency representation of the deswept down-chirp waveform or peak 160 is estimated at the detection and estimation processor 116, which is referred to as f_{dn} .

Furthermore, a Discrete Fourier Transform (DFT) may be performed around peaks 140 and 160 (i.e. the frequency representations of the deswept up-chirp waveform and the deswept down-chirp waveform) of the output of the FFT to further refine the frequency estimated at the peaks 140 and 160, i.e. f_{up} and f_{dn} . This is further described with reference to FIG. 9.

Both of these estimates, i.e. the frequency estimate of the frequency representation of the deswept down-chirp waveform f_{dn} and the frequency estimate of the frequency representation of the deswept up-chirp frequency f_{up} , each have an unknown frequency offset and

an unknown timing offset associated with them. This is represented in FIG. 5D, wherein the received down-chirp waveform and the received up-chirp waveform are both shown as having an unknown frequency offset, i.e. f_d , and
5 an unknown timing offset, i.e. t_0 . Furthermore, a relationship exists between the frequency of deswept up-chirp waveform f_{up} , f_d , and t_0 , such that:

$$f_{up} = f_d - Kt_0 \quad (5)$$

10

where K is the known sweep parameter or frequency rate-of-change of the up-chirp waveform.

Furthermore, a similar relationship exists between the frequency of deswept down-chirp waveform f_{dn} ,
15 f_d , and t_0 , such that:

$$f_{dn} = f_d + Kt_0 \quad (6)$$

where K_2 is the known sweep parameter or frequency rate-
20 of-change of the down-chirp waveform.

Since f_{up} , f_{dn} , K are known, the two Equations (5) and (6) can be solved for the frequency offset f_d , and the time offset t_0 which are needed for the mobile terminal to synchronize with the gateway station as in
25 Equations (7) and (8).

$$f_d = 0.5(f_{up} + f_{dn}) \quad (7)$$

$$t_0 = (f_{up} - f_{dn})/2K \quad (8)$$

30

Thus, the frequency offset f_d , and the time offset t_0 are estimated and output from the detection and estimation processor 116. It is important to note that Equations (5) through (8) only hold true in the specific
35 example shown, in the case of the dual-chirp waveform. Furthermore, these equations only apply when the

hypothesized waveform, i.e. the received waveform that contains the largest portion of the dual-chirp waveform, begins at $t=0$ sec. However, depending on the type of composite waveform sent, the skilled artist could derive
5 the relationships needed to solve for the frequency offset f_d and the time offset t_o . Additionally, the frequency offset and timing offset estimations are further described with reference to FIG. 9 below.

Advantageously, the matched filter 106, buffer
10 120, first phase shifter 108, second phase shifter 110, first FFT processor, second FFT processor, and the detection and estimation processor 116 of the acquisition section 100 can be implemented as an application specific integrated circuit (ASIC) or a digital signal processor.

Referring next to FIG. 8, a sliding window
15 search process or algorithm is illustrated as may be implemented by the search algorithms employed by the detection and estimation processor 116 in the acquisition system 100 of FIG. 7. Shown is the frame 200 including
20 the burst 202 that contains the composite waveform, e.g. the dual-chirp waveform, sliding search windows 204 each offset from each other by a specified time 206. Also shown is an FFT output power vs. time plot 208 having a peak 210 at the center of the burst 202 containing the
25 dual-chirp waveform.

In this particular embodiment, a 5 msec burst 202 is transmitted once every frame 200, or 320 msec, by the gateway station of the satellite communications system of FIG. 1. Thus, the sliding search windows 204
30 are 3 slots totaling 5 msec, wherein each slot is 1.67 msec in length. In between iterations, the sliding search windows 204 are moved the specified time 206, which is shown as one half of a slot or 833 μ sec. It is noted that all of these parameters can be varied easily
35 by the skilled artist. Note also that each sliding search window 204 has a particular fixed overlap.

Each sliding search window 204 contains digital time-domain samples sampled at the buffer 120 of FIG. 7; thus, each sliding search window 204 has "an input buffer" associated therewith. Furthermore, as

5 illustrated, the burst 202 does not exactly correspond to the exact timing of the sliding search windows 204; thus, there is a time offset 212 (i.e. t_0) between the sliding search window (shown as sliding search window 214) that contains the largest portion (or peak) of the dual-chirp

10 waveform, as described in FIG. 7, and the actual burst 202 containing the dual-chirp waveform.

Furthermore, a time τ is defined as a time at which each sliding search window 204 begins. For example, τ is shown as the point in time that sliding

15 search window 214 begins, but is also the time that any sliding search window begins. The time τ is illustrated mathematically in FIG. 9. Note also that every sliding search window 204 contains a hypothesized waveform, since the process is hypothesizing that the digital samples

20 contained within each sliding search window 204 are the composite waveform, when most of the time, they are not the composite waveform.

This sliding search window diagram is related to the acquisition section 100 of FIG. 7 in that sliding

25 search windows 204 located away from the location of the burst, e.g. sliding search window 216, will be sampled at the buffer 120, sent through the first path 107 and the SNR threshold will not be exceeded (as described in FIG. 7). Thus, the buffer 120 will be instructed to sample a

30 new sliding search window until the SNR threshold has been exceeded.

Furthermore, sliding search windows 218, 214, and 220 may all cause the SNR threshold to be exceeded; however, as can be seen, the input buffer containing

35 sliding search window 214 will contain the "peak" of the dual-chirp waveform. Thus, as described in FIG. 7, the

desweeping waveform 130 $d(t)$, which is the complex conjugate of the up-chirp waveform or the down-chirp waveform. The FFT may be performed at the first FFT processor 112 of FIG. 7.

5 Next, the signal-to-noise ratio (SNR) is computed for the frequency representation of the deswept up-chirp waveform, such as described in FIG. 7 at the detection and estimation processor 116, and compared to the SNR threshold (Step 906), as described again with
10 reference to FIG. 7.

 If the computed SNR does not exceed the SNR threshold (Step 906), then software in the detection and estimation processor 116 increments the scanning parameter by a specified time offset 206 (Step 908),
15 shown in FIG. 8, for example, corresponding to scanning time with reference to a continuous time t . This effectively moves the sliding search window over by the specified time offset 206, e.g. 833 μsec .

 If the computed SNR exceeds the SNR threshold
20 (Step 906), then an actual up-chirp waveform is detected (as a frequency representation 140 of the deswept up-chirp waveform, i.e. peak 140 of FIG. 7), and a discrete Fourier transform (DFT) is performed (Step 910) on the input samples (within the sliding search window) by the
25 detection and estimation processor 116, as described in briefly earlier and in more detail below.

 With respect to performing a DFT, in one embodiment, fine frequency estimation using a DFT as previously described is performed as part of frequency
30 interpolation in the detection and estimation processor 116. When the up-chirp waveform is detected as described above, a DFT is estimated around a coarse detected frequency in increments of $\pm 20\text{Hz}$ to refine the frequency estimation of the frequency representation of the deswept
35 up-chirp waveform; thus, the measurement of f_{up} in Equation (5) is refined.

As such, the DFT is represented as the equation describing a magnitude $Y(m)$ for a group d for N samples is:

5

$$Y(m) = \sum_{n=0}^{N-1} x(n) e^{-j2\pi nm/N} \quad (9)$$

where $X(n)$ is the deswept up-chirp waveform.

10 A peak value of a group of $Y(m)$ values is selected at a peak frequency F_{peak} . If a corresponding $Y(m)$ is denoted as p_2 , then frequencies on each upper and lower side of p_2 , i.e. frequencies at p_1 and p_3 , are used to perform interpolation.

15 In one embodiment interpolation is performed using a quadratic fit; in another embodiment interpolation is performed using a sinc interpolation, which uses an infinite series to treat all such $Y(m)$ samples as perfect samples.

20 For a quadratic fit, Equations (10) and (11) are used to determine estimated frequency F_{est} :

$$F_{adj} = 0.5 * (p_1 - p_3) / (p_1 + p_3 - 2p_2) \quad (10)$$

$$25 \quad F_{est} = F_{peak} + (F_{adj} * 20.0) \quad (11)$$

Other methods for interpolation are also possible in keeping with the spirit of the present invention.

30 After the DFT is performed on the frequency representation of the up-chirp waveform (Step 910), the input samples, stored in the buffer 120, which correspond to the down-chirp component waveform, are deswept and an FFT and DFT are performed (Step 912), respectively. For
35 example, this may be done in the second path 109 of FIG. 7.

Finally, the frequency offset f_d and the timing offset t_0 of the dual-chirp waveform are estimated (Step 914) by a parameter estimator (not shown) of the detection and estimation processor 116, as described with reference to FIG. 7. The results of Steps 910 and 912 produce two frequency estimates, one for the frequency representation of the deswept up-chirp waveform and one for the frequency representation of the deswept down-chirp waveform. As described earlier, each frequency estimation, e.g. f_{up} and f_{dn} , has an unknown frequency offset, i.e. f_d , and an unknown timing offset, i.e. t_0 . Furthermore, a relationship exists between f_{up} , and f_d and t_0 of the received dual-chirp waveform, in Equation (5) above, and a similar relationship exists between f_{dn} , and f_d and t_0 of the received dual-chirp waveform, in Equation (6) above. Thus, as described above, these relationships are both used to solve for the frequency offset f_d , and the time offset t_0 (Step 914) as can be done in Equations (7) and (8), which are required for the mobile terminal to synchronize with the gateway station. The step is simplified in the dual-chirp waveform, since both the up-chirp waveform and the down-chirp waveform have a frequency that varies linearly with time and each is the complex conjugate of the other. Thus, the up-chirp waveform and the down-chirp waveform is easily expressible in mathematical terms and equations.

Next, the following detailed mathematical analysis is presented to illustrate, mathematically, the search algorithms used in the acquisition process of FIG. 9, performed by the acquisition section of FIG. 7.

In accordance with the invention herewith, the search algorithms employed by the Acquisition System 100 accomplishes detection of the actual up-chirp waveform and the actual down-chirp wave form, as well as the frequency and time estimation, by designing a complex

baseband dual-chirp signal burst as shown in FIG. 3 and represented mathematically in Equation 12.

$$\begin{aligned} s(t) &= 2p(t) \cdot \cos[\pi K(t - \frac{T}{2})^2] \\ &= s_1(t) + s_2(t) \end{aligned} \quad (12)$$

where

$$p(t) = \begin{cases} 1, & 0 \leq t \leq T \\ 0, & \text{else} \end{cases} \quad (13)$$

and wherein

$$s_1(t) = p(t) \cdot \exp \left\{ j\pi K(t - \frac{T}{2})^2 \right\} \quad (14)$$

and

$$s_2(t) = p(t) \cdot \exp \left\{ -j\pi K(t - \frac{T}{2})^2 \right\} \quad (15)$$

In equation 10, $s(t)$ denotes the dual-chirp waveform, transmitted as a burst to the mobile terminal before attenuation, time delays, and frequency offsets are applied during transmission of the of the dual-chirp waveform over the communications links between the gateway station and the mobile terminal. Thus, $s(t)$ is the source signal being transmitted from the transmitter 32 in FIG. 2.

In the above equations 10 through 13, T denotes a period of the burst (e.g. 5 msec) and t denotes instantaneous time measured from the starting time of the burst in time domain. The up-chirp waveform is represented by $s_1(t)$, and the down-chirp waveform is represented by $s_2(t)$. Furthermore, $p(t)$ is a window

defining an envelope of the signal in time or a ramping function as described above at Equation (2). K is the sweep rate parameter or the frequency rate-of-change for both the up-chirp waveform and the down-chirp waveform as described in Equations (3) and (4) above. Note that advantageously, K is the same for both the up-chirp waveform and the down-chirp waveform, except that they are the opposite direction (+K and -K); however, the skilled artist could vary this relationship while at the same time vary the above equations.

A phase, $\phi(t)$, of the dual-chirp signal of duration T is equal to Equation (16).

$$\phi(t) = \pi K \left(t - \frac{T}{2}\right)^2 \quad (16)$$

Within the burst containing the dual chirp signal, an instantaneous frequency for the up-chirp waveform, $s_1(t)$ equals $K(t-T/2)$, wherein K is a frequency rate-of-change, and an instantaneous frequency for the down-chirp waveform $s_2(t)$ equals $-K(t-T/2)$; therefore, instantaneous frequencies for $s_1(t)$ and $s_2(t)$ vary from $-KT/2$ to $KT/2$. The frequency span or frequency bandwidth of the dual-chirp signal is therefore $\beta=KT$.

Next, at the receiver 44 (i.e. the mobile terminal), the received burst containing a received dual-chirp waveform (i.e. one example of a received composite waveform), $r(t)$ is corrupted by frequency shifting ($+e^{j2\pi f_d t}$) due primarily to Doppler, a time delay t_0 , and by Additive White Guassian Noise (AWGN) $n(t)$. These contributing factors are described above with reference to FIG. 2. Therefore, the received dual-chirp waveform is represented as Equation 17.

$$\begin{aligned} r(t) &= A \cdot s(t-t_0) \exp\{2\pi f_d t + \phi\} + n(t) \\ &= A \cdot [s_1(t-t_0) + s_2(t-t_0)] \exp\{2\pi f_d t + \phi\} + n(t) \end{aligned} \quad (17)$$

wherein A is an amplitude of the received waveform $r(t)$, wherein t_0 is the time delay or propagation delay, wherein f_d is a frequency offset between the transmitter 32 and the receiver 44, which is due to Doppler frequency shifting, wherein ϕ is a random phase in $[0, 2\pi]$, and wherein $n(t)$ is additive white Gaussian noise (AGWN) having zero mean and spectral density N_0 .

As such, the acquisition system 100 described in FIG. 7 of the mobile terminal receives this waveform. Using the mathematical representation $r(t)$ described by Equation (17), it is possible for the acquisition system 100 to multiply $r(t)$ with a proper desweeping waveform $d(t)$ such that $v(t) = r(t)d(t)$. Consistent with that described in FIG. 7, the desweeping waveform $d(t)$ would be the complex conjugate of the waveform being searched for. In the case of the dual-chirp waveform, $d(t)$ is the first desweeping waveform 130, which is the complex conjugate of the up-chirp waveform which is the down-chirp waveform. Such complex conjugate of the waveform begin searched for is represented at time $t-\tau$, wherein τ is the point in time that the hypothesized composite waveform will start, as illustrated in FIG. 8.

A deswept up-chirp waveform is represented by $v_1(t)$ Equation (18) in time domain. Note that the deswept up-chirp waveform 134 is shown in the frequency domain in frequency vs. time plot 132 of FIG. 7. A deswept down-chirp waveform is represented as $v_2(t)$ by Equation (19) in time domain. Similarly, the deswept down-chirp waveform 154 is shown in the frequency domain in plot 152 of FIG. 7. Furthermore, this assumes an actual up-chirp waveform or down-chirp waveform is present in $r(t)$.

$$v_1(t) = r(t) \cdot s_1^*(t-\tau) = v_{11}(t) + v_{21}(t) + N_1(t) \quad (18)$$

$$v_2(t) = r(t) \cdot s_2^*(t-\tau) = v_{12}(t) + v_{22}(t) + N_2(t) \quad (19)$$

wherein

$$\begin{aligned}
 v_{11}(t) &= A s_1(t-t_0) s_1^*(t-\tau) \exp \{2\pi f_d t + \phi\} \\
 &= A \exp \{j[\pi K(t_0 - \tau)(t_0 + \tau + T) + \phi]\} \exp \left\{ j2\pi K[(\tau - t_0) + \frac{f_d}{K}]t \right\} \\
 &\quad \cdot p(t-t_0)p(t-\tau)
 \end{aligned} \tag{20}$$

$$\begin{aligned}
 v_{21}(t) &= A s_2(t-t_0) s_1^*(t-\tau) \exp \{2\pi f_d t + \phi\} \\
 &= A \exp \left\{ -j\pi \frac{K}{2}(\tau - t_0)^2 + j\phi \right\} \exp \left\{ -j2\pi K(t - \frac{1}{2}(t_0 + \tau + T))^2 + j2\pi f_d t \right\} \\
 &\quad \cdot p(t-t_0)p(t-\tau)
 \end{aligned} \tag{21}$$

$$\begin{aligned}
 v_{12}(t) &= A s_1(t-t_0) s_2^*(t-\tau) \exp \{2\pi f_d t + \phi\} \\
 &= A \exp \left\{ j\pi \frac{K}{2}(\tau - t_0)^2 + j\phi \right\} \exp \left\{ j2\pi K(t - \frac{1}{2}(t_0 + \tau + T))^2 + j2\pi f_d t \right\} \\
 &\quad \cdot p(t-t_0)p(t-\tau)
 \end{aligned} \tag{22}$$

$$\begin{aligned}
 v_{22}(t) &= A s_2(t-t_0) s_2^*(t-\tau) \exp \{2\pi f_d t + \phi\} \\
 &= A \exp \{j[\pi K(\tau - t_0)(t_0 + \tau + T) + \phi]\} \exp \left\{ j2\pi K[(t_0 - \tau) + \frac{f_d}{K}]t \right\} \\
 &\quad \cdot p(t-t_0)p(t-\tau)
 \end{aligned} \tag{23}$$

and wherein

$$N_1(t) = n(t) s_1^*(t-\tau) \tag{24}$$

$$N_2(t) = n(t) s_2^*(t-\tau) \tag{25}$$

In the above Equations, $s_1^*(t-\tau)$ is the complex conjugate of $s_1(t-\tau)$ or $d_1(t-\tau)$, for example, $s_1^*(t)$ is shown as the first desweeping waveform 130 ($s_1^*(t) = d_1(t)$) in FIG. 7. Similarly, $s_2^*(t-\tau)$ is the complex conjugate

of $s_2(t-\tau)$ or $d_2(t-\tau)$, for example, $s_2^*(t)$ is shown as the second desweeping waveform 150 in FIG. 7.

Furthermore $v_{11}(t)$ and $v_{22}(t)$, are shown as continuous wave signals. For example, in a frequency vs. time plot, $v_{11}(t)$ is shown as deswept up-chirp waveform 134 (which is tone-like or narrowband) of FIG. 7 and $v_{22}(t)$ is shown as deswept down-chirp waveform 154 (which is tone-like) in FIG. 7. Cross-talk terms $v_{21}(t)$ and $v_{12}(t)$ remain as wideband chirp-like signals. For example, in a frequency vs. time plot, $v_{21}(t)$ is shown as phase shifted down-chirp 136 in FIG. 7 and $v_{12}(t)$ is shown as phase shifted up-chirp 156 of FIG. 7. It can be proven that these cross-talk terms $v_{21}(t)$ and $v_{12}(t)$ carry much less power than the desired continuous wave signal (tone or sinusoid) if $KT^2=\beta T$ is large enough.

Therefore, if the frequency span or the frequency bandwidth β of the up-chirp waveform defined earlier herein as KT , is large enough, such that KT^2 is comparatively large enough to be neglected in the mathematical analysis then frequency shift and time delay information can be extracted from the peak frequency.

An example of a bandwidth β large enough to reflect the cross-talk terms would be a β rendering the cross-talk terms (chirp-like signals) about an order of magnitude smaller than the continuous wave signals (terms). Another example of a bandwidth β large enough for reflecting resulting cross-terms would be a β which is about 80% of a bandwidth of an FCCH channel, for example, since an FCCH channel must have sufficient bandwidth to operate in a practical manner in a wireless communication system.

A skilled artisan will observe many other ways to set an appropriate bandwidth β for the up-chirp and down-chirp waveform in accordance herewith.

Preferably, a bandwidth of a dual-chirp waveform and a difference bandwidth between the bandwidth

of the up-chirp and the down-chirp waveform should be in an order of the available bandwidth of the FCCH channel. Minimally, the bandwidth β should be greater than 10% of the available bandwidth of the channel.

5 Next, a frequency domain representation (e.g. peak 140), $V_{11}(f)$, of the time domain deswept up-chirp waveform $v_1(t)$ and a frequency domain representation (e.g. peak 160), $V_{22}(f)$ of the time domain deswept down-chirp waveform $v_2(t)$ are illustrated by Equations (26) and (27).
10 The FFT is performed in Step 904 and Step 912 for the deswept up-chirp waveform and the deswept down-chirp waveform, respectively.

$$V_1(f) = V_{11}(f) + N_1(f) \quad (26)$$

$$V_2(f) = V_{22}(f) + N_2(f) \quad (27)$$

wherein $V_1(f)$ is shown in plot 138 of FIG. 7 and $V_2(f)$ is shown in plot 158 of FIG. 7, and wherein

$$\begin{aligned} |V_{11}(f)| &= A \frac{\sin[\pi(f_d - f + K(\tau - t_0))(T - |\tau - t_0|)]}{\pi(f_d - f + K(\tau - t_0))}, \quad t_0 - T \leq \tau \leq t_0 + T \\ &= A(T - |\tau - t_0|) \operatorname{sinc}\{(f_d - f + K(\tau - t_0))(T - |\tau - t_0|)\} \end{aligned} \quad (28)$$

$$\begin{aligned} |V_{22}(f)| &= A \frac{\sin[\pi(f_d - f - K(\tau - t_0))(T - |\tau - t_0|)]}{\pi(f_d - f - K(\tau - t_0))}, \quad t_0 - T \leq \tau \leq t_0 + T \\ &= A(T - |\tau - t_0|) \operatorname{sinc}\{(f_d - f - K(\tau - t_0))(T - |\tau - t_0|)\} \end{aligned} \quad (29)$$

Determining an estimated frequency for the
30 frequency representation of the deswept up-chirp waveform $v_1(t)$ and the frequency representation of the deswept down-chirp waveform $v_2(t)$, designated respectively as f_m and \tilde{f}_m , is done by finding a frequency corresponding to a largest amplitude of the fast Fourier transform in an up-
35 chirp and down-chirp path. The deswept up-chirp frequency f_m (also referred to as f_{up} in Equation (5)) is

given by Equation (30) and the deswept down-chirp frequency \tilde{f}_m (also referred to as f_{dn} in Equation (6)), is given by Equation (31), theoretically.

In practice, the frequency estimates f_m and \tilde{f}_m , also called peak frequency estimates, are subject to noise disturbance. Nevertheless, they are unbiased estimates of true frequencies of the up-chirp waveform and the down-chirp waveform contained in the received waveform, $r(t)$.

Advantageously, knowing the two frequency estimates f_m and \tilde{f}_m (also referred to as f_{up} and f_{dn}), and the relationships expressed by Equations (30) and (31), an estimate of Doppler frequency shift (or error frequency) \hat{f}_d and a time delay estimate \hat{t}_0 may be obtained (Equations (32) and (33)) as follows:

$$f_m = f_d + K(\tau - t_0) \quad (30)$$

$$\tilde{f}_m = f_d - K(\tau - t_0) \quad (31)$$

$$\hat{f}_d = 0.5(\hat{f}_m + \hat{\tilde{f}}_m) \quad (32)$$

$$\hat{t}_0 = \tau - \frac{(\hat{f}_m - \hat{\tilde{f}}_m)}{2K} \quad (33)$$

where τ is the start time of the hypothesized composite waveform or the time from $t=0$ that the set of buffer samples that contains the largest portion of the dual-chirp waveform. Time τ is further described in FIG. 8.

Note that in Equations (5) through (8), $\tau=0$.

Again, as stated earlier, the relationships illustrated in Equations (30) and (31) provide, mathematically, two different equations having two unknowns, which are solved for. The dual-chirp waveform, as described above is an example of a composite waveform that is expressed in terms of Equations (30) and (31).

Alternatively, other types of composite waveforms may be used; however, depending on the specific characteristics of the component waveforms of the composite waveform, modeling such component waveforms into relationships
5 between the frequency and timing offsets, as shown in Equations (30) and (31), may be more difficult, for example, if the component waveforms do not have frequencies that vary linearly with time. Thus, the mathematical analysis will have to be adjusted.

10 As for the case of a composite waveform as shown in FIGS. 6A through 6D, the two equations, e.g. Equations (30) and (31), for this composite waveform would essentially provide the same relationship for each of the component waveforms. The result would be two
15 equations each having two unknowns (i.e. f_d and t_0); however, both equations would essentially be the same, yielding inconclusive estimates of the frequency and timing offsets. In contrast, as shown above, a composite waveform meeting the three design characteristics
20 described above, such as the dual-chirp waveform, will yield accurate measurements of the frequency and timing offsets needed for synchronization while avoiding the problems of the prior art acquisition schemes, e.g. mitigates unmodulated spurs, can be used with an FFT, no
25 modifications to the receiver hardware, efficient use of processing bandwidth, and supports acquisition of voice and tracking of alerting services in the same composite waveform.

Finally, referring next to FIG. 10, a plot
30 of the amplitude of a Fourier Transform Peak versus time (i.e. searching time) is shown. An estimate of the Burst's time of arrival can be obtained by determining the peak of a triangle shown in FIG. 10. Thus, at the peak of the plot, the composite signal waveform, e.g. the
35 dual-chirp waveform, has completely arrived (the largest portion of the dual-chirp waveform is present in the

input buffer) at the acquisition section of the mobile terminal.

While the invention herein disclosed has been described by means of specific embodiments and
5 applications thereof, numerous modifications and variations could be made thereto by those skilled in the art without departing from the scope of the invention set forth in the claims.

57

CLAIMS

What is claimed is:

1. A method for enabling synchronization of a
5 communications terminal in a wireless communication
system comprising:

receiving a burst at a receiver of the
communications terminal, the burst containing a composite
waveform including two or more component waveforms,
10 wherein each of the two or more waveforms has a known
frequency variation throughout the burst.

2. The method of Claim 1 further comprising
detecting a first component waveform of said two or more
15 component waveforms.

3. The method of Claim 2 further comprising
detecting a second component waveform of said two or more
waveforms.

20 4. The method of Claim 3 further comprising
estimating, after both of said detecting steps, a
frequency offset and a timing offset of said composite
waveform as received into said receiver.

25 5. The method of Claim 3 wherein said
detecting said first component waveform comprises
desweeping said first component waveform into a first
deswept component waveform, wherein said first deswept
30 component waveform is a narrow band waveform.

6. The method of Claim 5 further comprising
transforming said first deswept component waveform into a
first frequency domain representation.

35

7. The method of Claim 6 wherein said transforming includes using a Fast Fourier Transform.

8. The method of Claim 6 further comprising
5 estimating a signal-to-noise ratio of said first frequency domain representation.

9. The method of Claim 8 further comprising
10 comparing said signal-to-noise ratio of said first frequency domain representation to a threshold.

10. The method of Claim 9 further comprising
15 estimating, in the event said threshold is exceeded, a first peak frequency of said first frequency domain representation.

11. The method of Claim 10 further comprising
20 using a Discrete Fourier Transform to fine-tune the estimate of said first peak frequency.

12. The method of Claim 10 further comprising:
desweeping said second component waveform of
said two or more component waveforms into a second
deswept component waveform; and
25 transforming said second deswept component
waveform into a second frequency domain representation.

13. The method of Claim 12 further comprising
30 estimating a second peak frequency from said second frequency domain representation.

14. The method of Claim 13 further comprising
estimating a frequency offset and a timing offset of said
composite waveform as received into said receiver,
35 whereby synchronization is achieved.

15. The method of Claim 13 wherein said
estimating comprises estimating, using said first peak
frequency and said second peak frequency and said known
frequency variation of each of said first component
5 waveform and said second component waveform.

16. The method of Claim 15 wherein said
frequency offset is defined by the formula:

$$f_d = 0.5(f_1 + f_2)$$

10 wherein f_d is said frequency offset in Hertz, f_1 is said
first peak frequency in Hertz, and f_2 is said second peak
frequency in Hertz.

17. The method of Claim 15 wherein said timing
15 offset is defined by the formula:

$$t_0 = \tau - [(f_1 - f_2)/2K]$$

wherein f_1 is said first peak frequency in Hertz, f_2 is
said second peak frequency in Hertz, K is the absolute
value of said known frequency variation of said each of
20 said first component waveform and said second component
waveform in Hertz/second, and τ is a time in seconds at
which said composite waveform is hypothesized to arrive
at said communications terminal.

25 18. The method of Claim 1 wherein said
receiving comprises receiving said burst through a
channel, wherein said composite waveform has a composite
bandwidth on an order of an available channel bandwidth,
wherein each of said two or more component waveforms has
30 a component bandwidth on the order of the available
channel bandwidth.

19. The method of Claim 18 wherein said
receiving further comprises said receiving, wherein a
35 range of values for the differences between the
instantaneous frequencies of two of said two or more

component waveforms is on an order of twice of said available channel bandwidth.

20. The method of Claim 1 wherein said
5 composite waveform comprises a dual-chirp waveform including an up-chirp waveform and a down-chirp waveform.

21. An acquisition system of a wireless
communications terminal for acquiring a received
10 composite waveform including two or more component waveforms and estimating a frequency offset and a timing offset of the received composite waveform comprising:

a first phase shifter for desweeping a first
component waveform of the received composite waveform;
15 and

a first processor coupled to the first phase
shifter for transforming the first component waveform
having been deswept into a first frequency domain
representation.

20

22. The system of Claim 21 wherein said first
processor is a first fast Fourier transform processor.

23. The system of Claim 21 further comprising
25 a detection processor coupled to said first processor for detecting a peak of said first frequency domain representation, whereby detecting the presence of said first component waveform.

24. The system of Claim 23 wherein said
30 detection processor estimates a first peak frequency of said first frequency domain representation.

25. The system of Claim 24 wherein said
35 detection processor includes a discrete Fourier transform

for fine-tuning the estimation of said first peak frequency.

5 26. The system of Claim 23 further comprising:
a second phase shifter for desweeping a second component waveform of said received composite waveform;
and

10 a second processor coupled to the second phase shifter for transforming the second component waveform,
having been deswept, into a second frequency domain representation.

15 27. The system of Claim 26 wherein said second processor is a second fast Fourier transform processor.

20 28. The system of Claim 26 further comprising
a detection processor coupled to said second processor for detecting a peak of said second frequency domain representation.

25 29. The system of Claim 28 wherein said detection processor estimates a second peak frequency of said second frequency domain waveform.

30 30. The system of Claim 29 wherein said detection processor includes a discrete Fourier transform for fine-tuning the estimation of said second peak frequency.

35 31. The system of Claim 29 wherein said detection processor includes a parameter estimator for computing said frequency offset and said timing offset of said received composite waveform.

32. The system of Claim 21 wherein said received composite waveform comprises a received dual-chirp waveform.

5 33. The system of Claim 21 further comprising:
a matched filter for filtering the received composite waveform; and
a buffer coupled to the matched filter, wherein the buffer is further coupled to said first phase
10 shifter.

34. A method for enabling synchronization of a communications terminal in a wireless communication system comprising:
15 receiving a burst at a receiver of the communications terminal, the burst containing a composite waveform including two or more component waveforms, wherein each of the two or more waveforms has a known frequency variation throughout the burst;
20 detecting the presence of the composite waveform; and
estimating a frequency offset and a timing offset of the composite waveform as received into said receiver, whereby synchronization is achieved.

25 35. The method of Claim 34 wherein said detecting comprises detecting a first component waveform of said two or more component waveforms.

30 36. The method of Claim 35 wherein said detecting said first component waveform comprises:
desweeping said first component waveform into a first deswept component waveform;
transforming the first deswept component
35 waveform into a first frequency domain representation;
and

determining if the signal to noise ratio of the first frequency domain representation exceeds a threshold.

- 5 37. The method of Claim 36 wherein said estimating comprises:
- estimating a first peak frequency of said first frequency domain representation;
- desweeping said second component waveform into
- 10 a second deswept component waveform;
- transforming the second deswept component waveform into a second frequency domain representation;
- estimating a second peak frequency of the second frequency domain representation;
- 15 estimating said frequency offset and said timing offset using the first peak frequency and the second peak frequency and said known frequency variation of each of said first component waveform and said second component waveform.

ABSTRACT OF THE DISCLOSURE

A method for enabling synchronization of a communications terminal in a wireless communication system, and a corresponding acquisition system of the communications terminal, wherein the method consists of the steps of: receiving a burst at a receiver of the communications terminal, the burst containing a composite waveform including two or more component waveforms, wherein each of the two or more waveforms has a known frequency variation throughout the burst; detecting the presence of the composite waveform; and estimating a frequency offset and a timing offset of the composite waveform as received into said receiver, whereby synchronization is achieved.

SECRET "429/4461

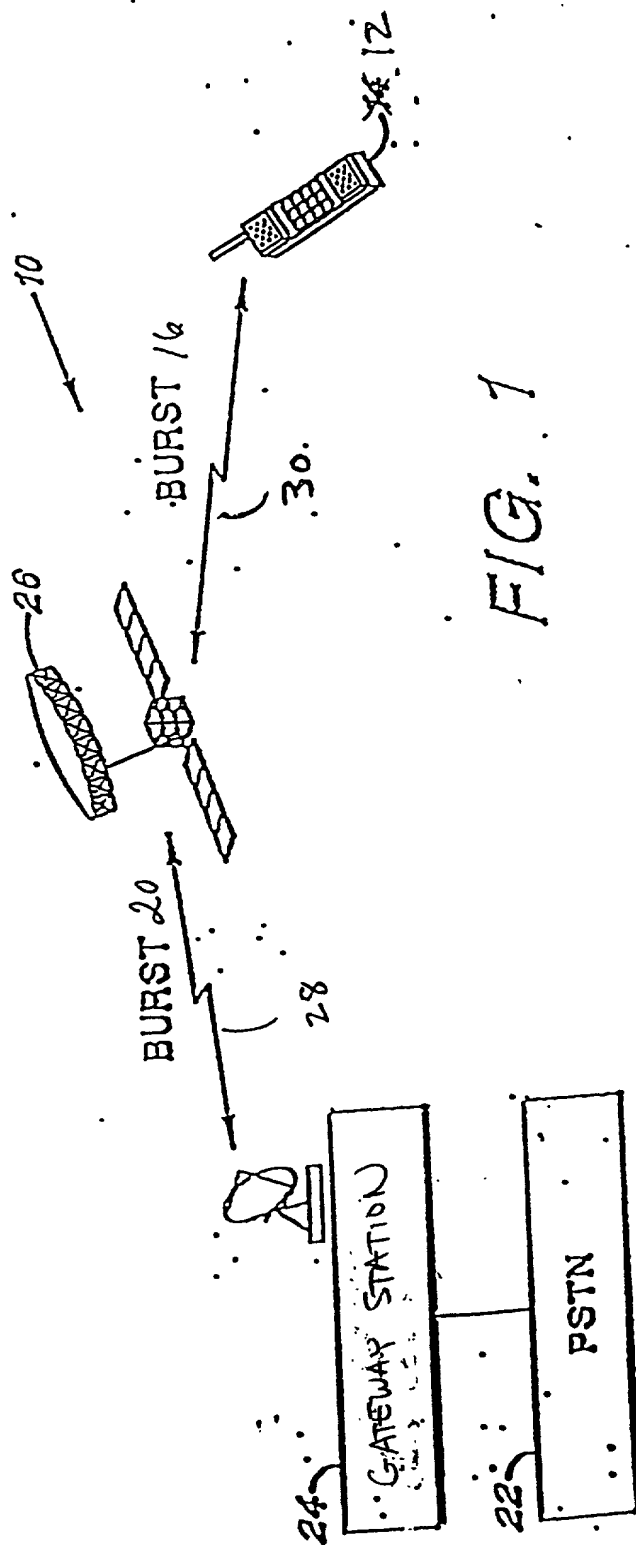


FIG. 1

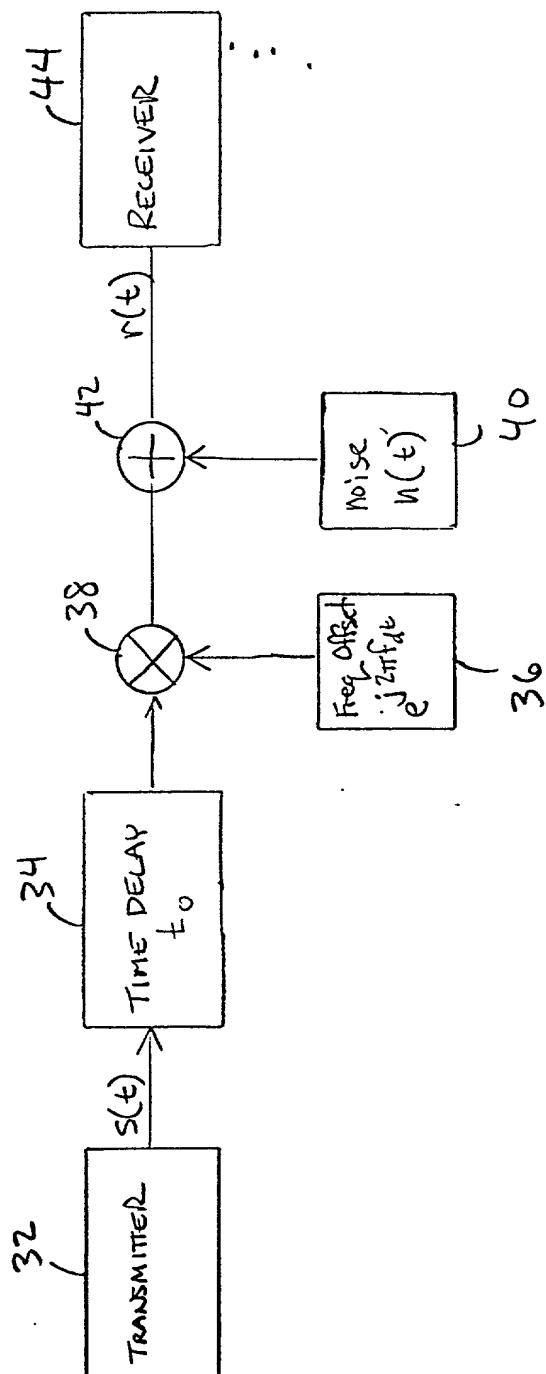


FIG. 2

Amplitude

Time

50

time (1)

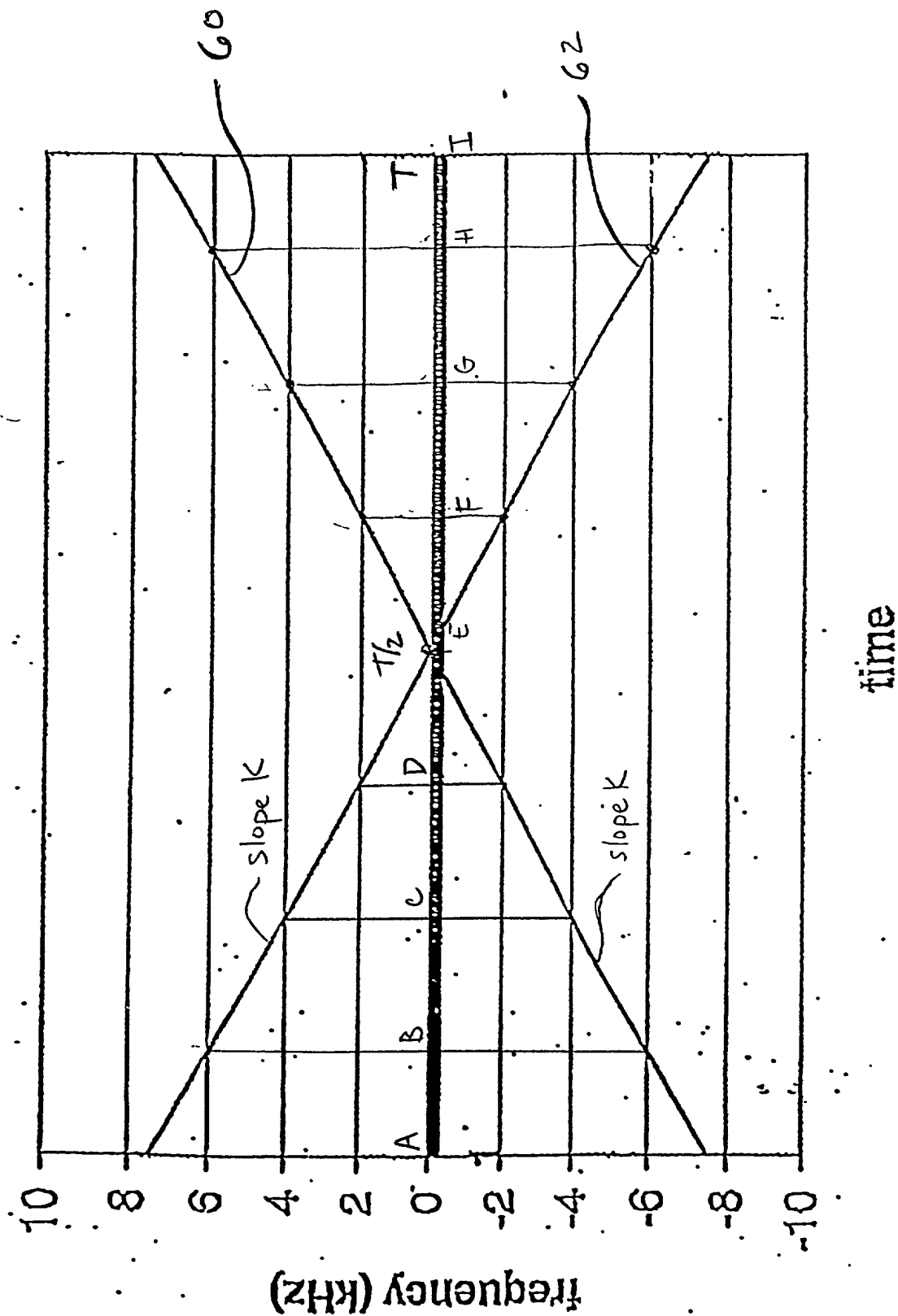
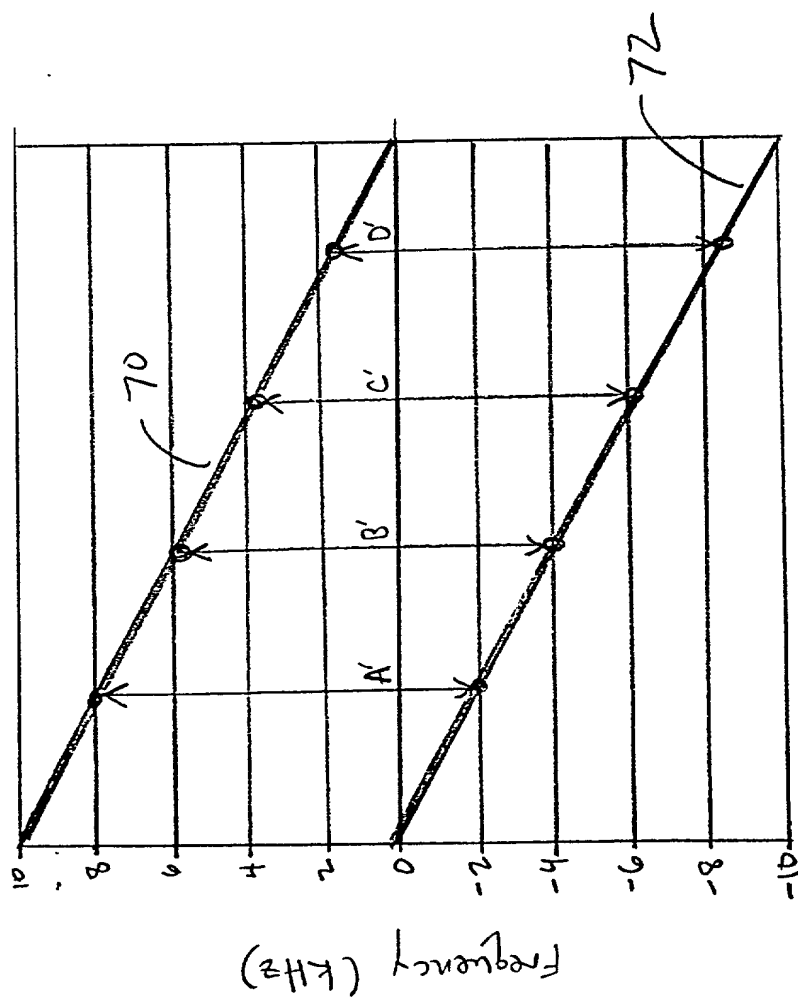
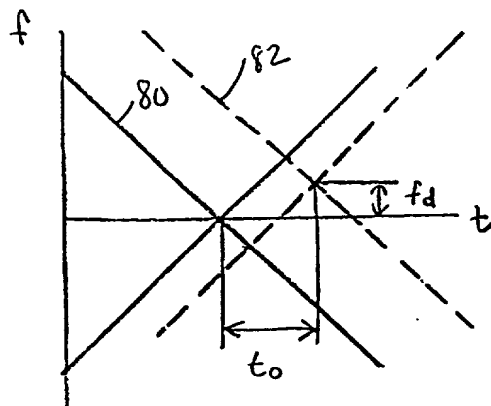
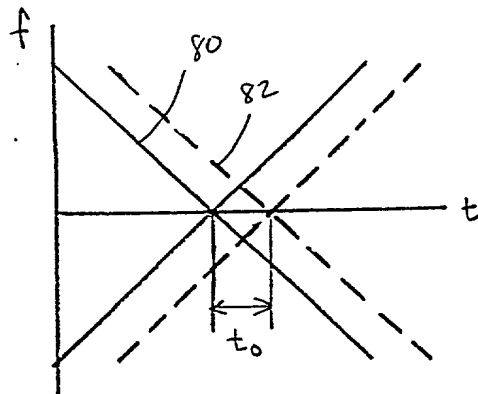
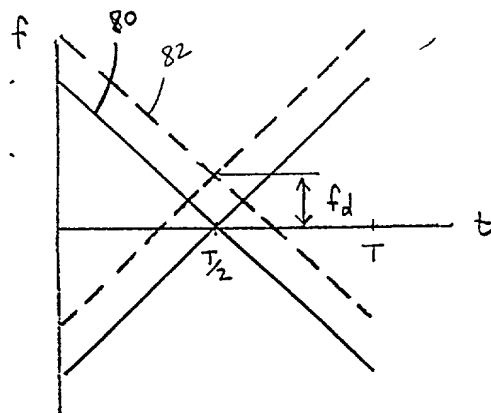
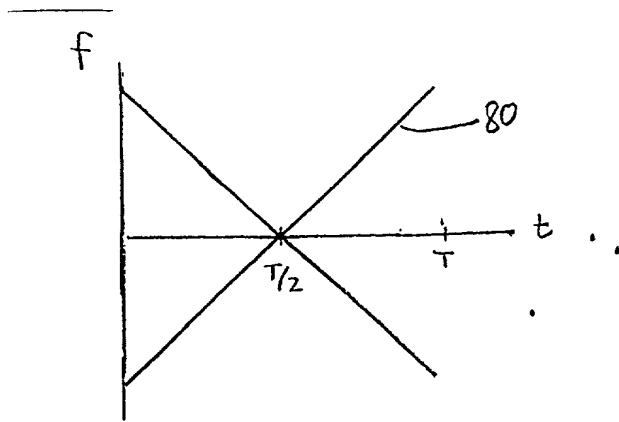


Fig. 4



Time

FIG. 4A



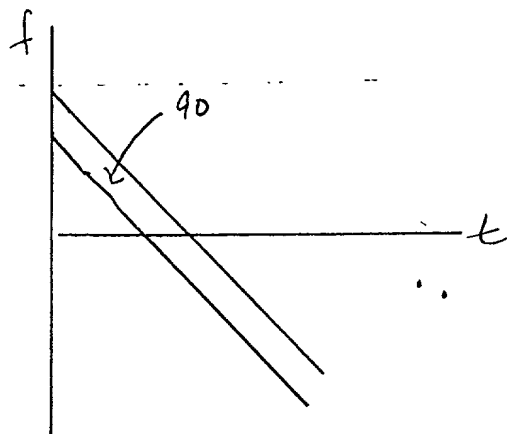


FIG. 6A

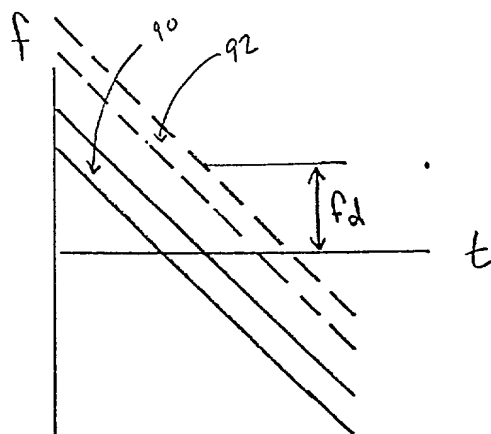


FIG. 6B

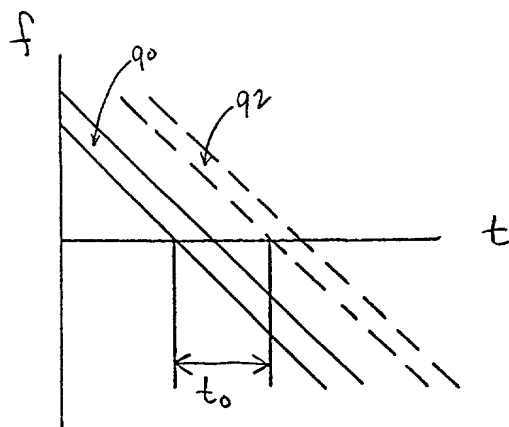


FIG. 6C

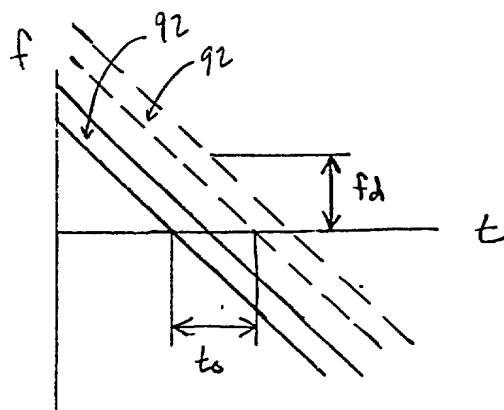


FIG. 6D

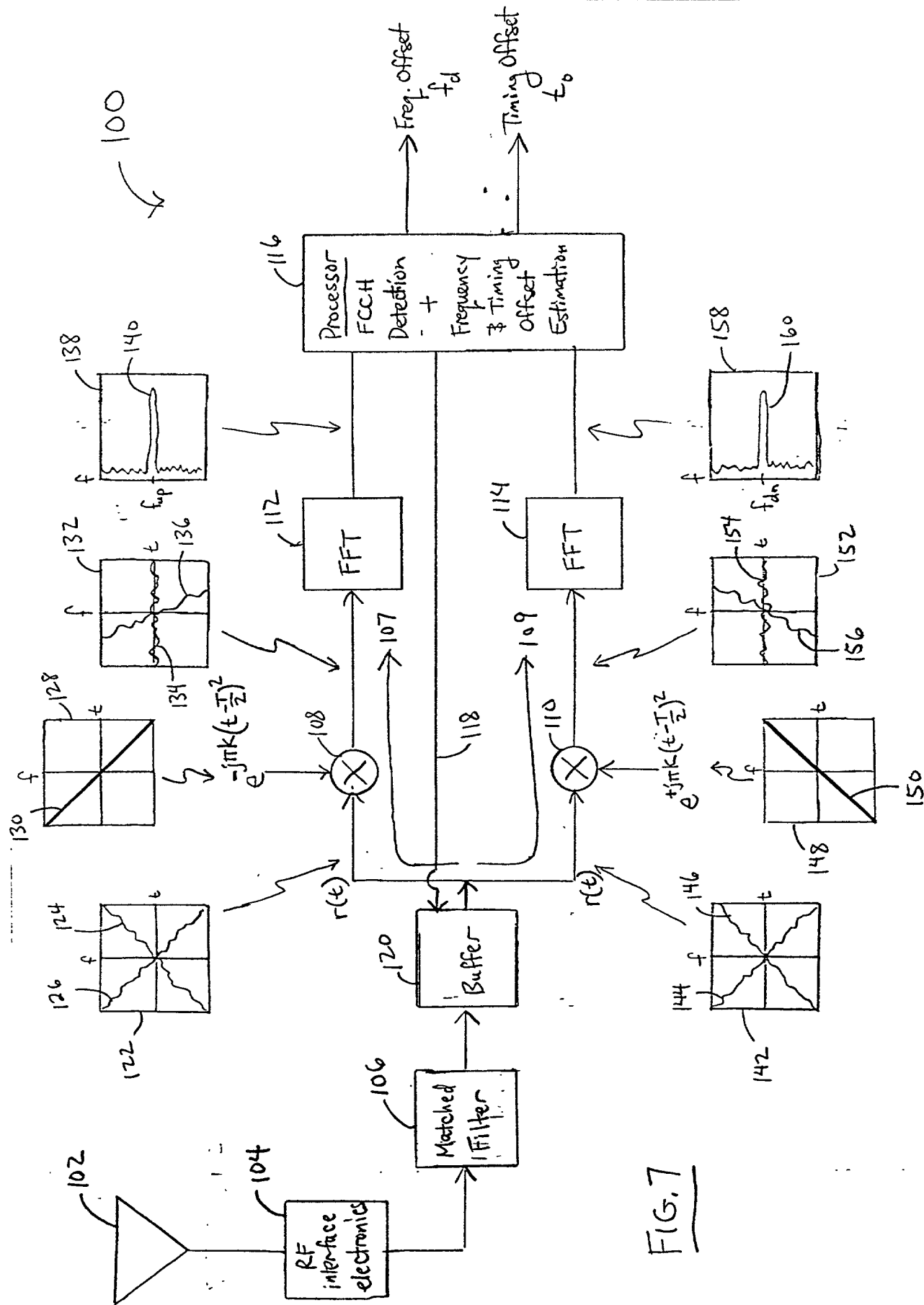
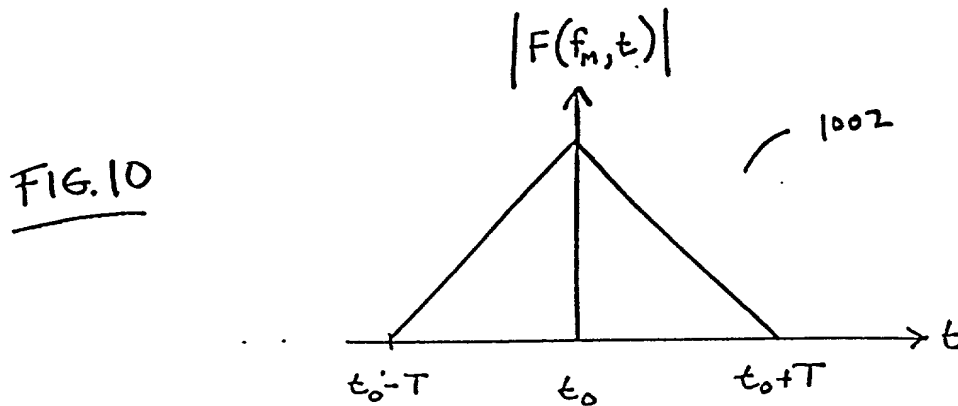
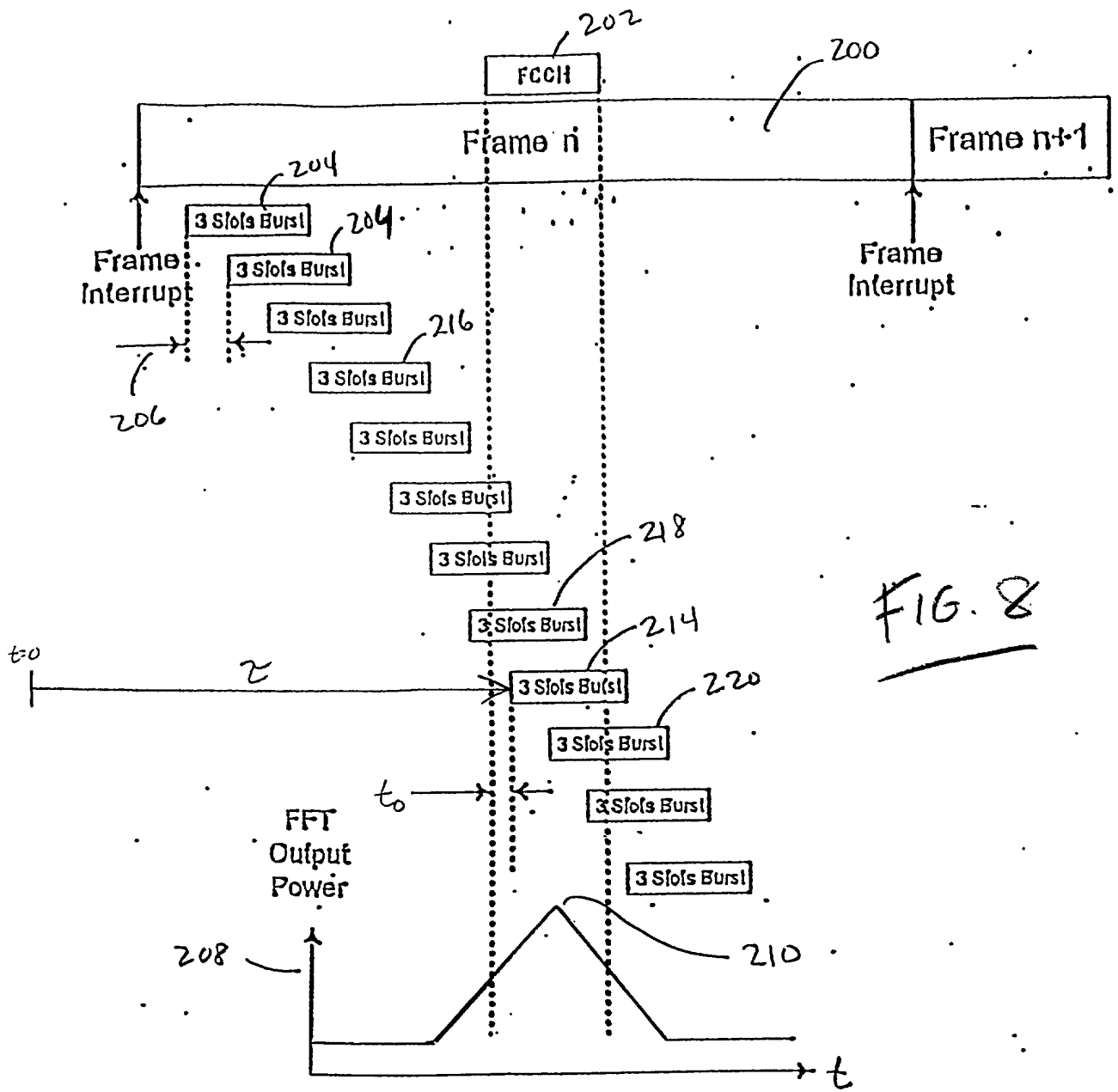


FIG. 7

FIG. 2 42924460



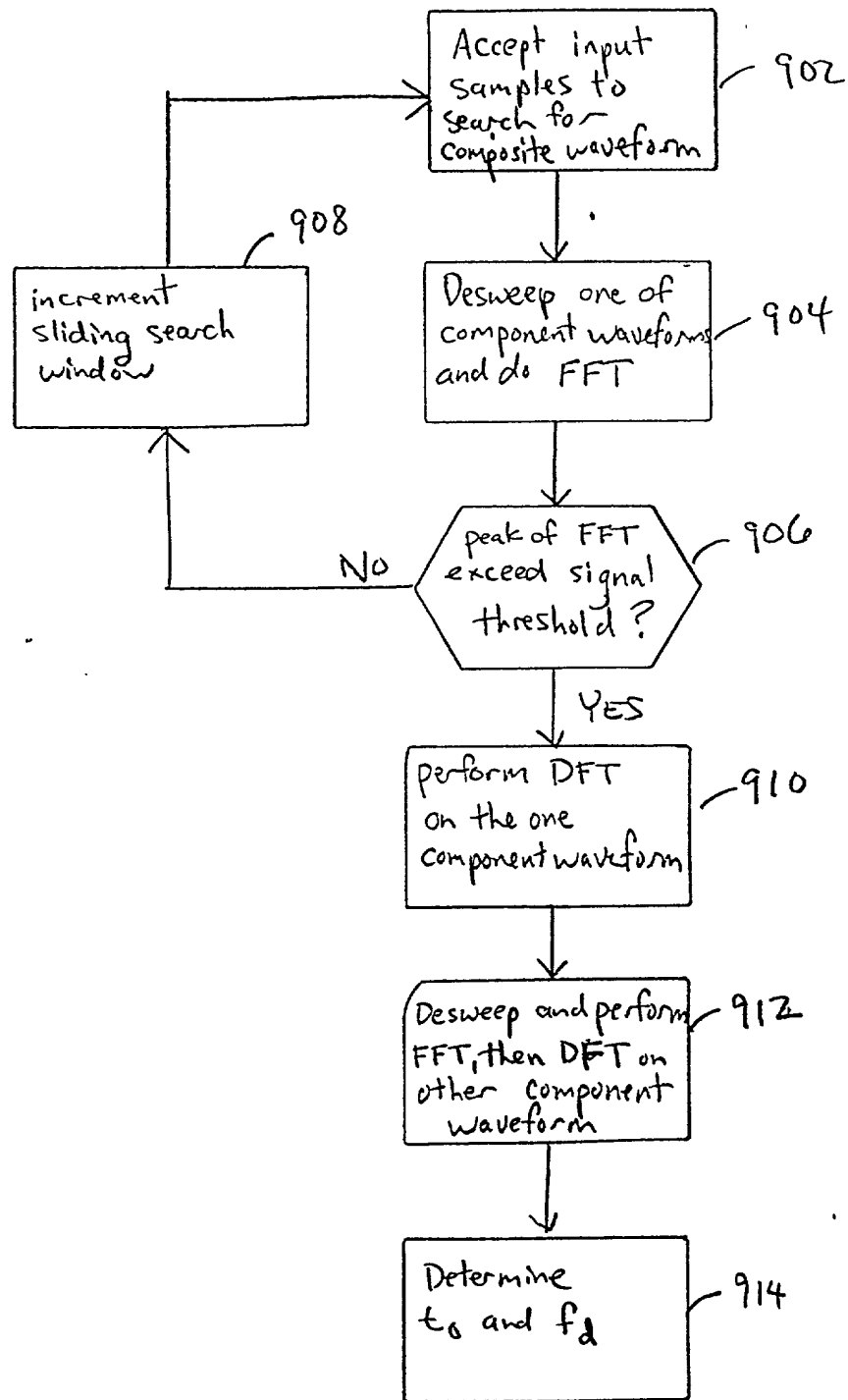


FIG. 9